

Test Series Question Paper- 09-03-2024

Q1. चार्टर अधिनियम 1813 के महत्वपूर्ण प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चीन के साथ चाय व्यापार में कंपनी का एकाधिकार समाप्त कर दिया गया।
2. इस अधिनियम ने भारत में कर लगाने की स्थानीय सरकारों की शक्ति पर भी प्रतिबंध लगा दिया।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: d

- चार्टर एक्ट 1813 के महत्वपूर्ण प्रावधान:
- **कथन 1 गलत है:** चीन के साथ चाय व्यापार में कंपनी का एकाधिकार अपरिवर्तित रखा गया था, लेकिन भारत के साथ व्यापार एकाधिकार समाप्त कर दिया गया था और इंग्लैंड के निजी व्यापारियों को भारत के साथ मुक्त व्यापारिक संपर्क विकसित करने की अनुमति दी गई थी।
- कंपनी के संविधान में कोई बदलाव नहीं किया गया और शामिल राजस्व के साथ भारत में इसके क्षेत्रीय अधिग्रहण का अनुदान अगले बीस वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया।
- भारत में शासन के संदर्भ में कुछ भी महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ, सिवाय इसके कि 1813 के चार्टर अधिनियम ने पहली बार भारत में ब्रिटिश क्षेत्रों की संवैधानिक स्थिति को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया।
- **कथन 2 गलत है:** अधिनियम ने भारत में स्थानीय सरकारों को व्यक्तियों पर कर लगाने और उन्हें भुगतान नहीं करने वालों को दंडित करने का भी अधिकार दिया

Q2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. द्वैध शासन का उन्मूलन
2. ब्रिटिश भारत एवं रियासतों के एक संघ की स्थापना
3. सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्रों का उन्मूलन

उपर्युक्त में से कौन सी सिफ़ारिशें साइमन कमीशन की थीं?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

- साइमन आयोग, जिसे आधिकारिक तौर पर साइमन वैधानिक आयोग के रूप में जाना जाता है, ब्रिटिश भारत में संवैधानिक सुधारों की जांच करने और सिफारिशें करने के लिए 1927 में स्थापित एक ब्रिटिश संसदीय आयोग था।
- **कथन 1 सही है:** साइमन कमीशन ने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त करने की सिफारिश की थी, जिसका अर्थ था सरकार की दोहरी प्रणाली का अंत जिसमें कुछ शक्तियाँ निर्वाचित भारतीय प्रतिनिधियों को सौंप दी गईं जबकि अन्य शक्तियाँ ब्रिटिश नियंत्रण में रहीं।
- **कथन 2 सही है:** साइमन कमीशन ने ब्रिटिश भारत के लिए एक संघीय प्रणाली की स्थापना की सिफारिश की थी, लेकिन इसने रियासतों के मुद्दे को विशेष रूप से संबोधित नहीं किया था। संघीय व्यवस्था में रियासतों की भागीदारी का प्रश्न जटिल था और साइमन कमीशन की सिफारिशों से इसका पूरी तरह समाधान नहीं हुआ था।
- **कथन 3 गलत है:** साइमन कमीशन ने सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्रों को समाप्त करने की सिफारिश नहीं की थी। वास्तव में, इसने सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के संबंध में महत्वपूर्ण सिफारिशें नहीं कीं, जो उस समय भारतीय राजनीति में एक विवादास्पद मुद्दा था।

Q3. भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. इसने प्रांतों और केंद्र दोनों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया।
2. केंद्रीय विधानमंडल को द्विसदनीय बनाया गया जिसमें संघीय विधानसभा और राज्यों की परिषद शामिल थी।
3. सभी प्रांतों में द्विसदनीय विधायिकाएँ शुरू की गईं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: a

- **कथन 1 गलत है:** भारत सरकार अधिनियम 1935 ने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और केंद्र में द्वैध शासन की व्यवस्था जारी रखी। इस प्रणाली के अनुसार, रक्षा, विदेशी मामले, चर्च संबंधी मामले और जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन गवर्नर-जनरल को अपने विवेक से अपने द्वारा नियुक्त 'परामर्शदाताओं' की मदद से करना था। ये परामर्शदाता विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं थे।
- उपर्युक्त आरक्षित विषयों के अलावा अन्य मामलों के संबंध में, गवर्नर-जनरल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना था जो विधायिका के प्रति उत्तरदायी था। हालाँकि, 'गवर्नर-जनरल की' विशेष जिम्मेदारियों के संबंध में, वह मंत्रियों द्वारा दी गई सलाह के विपरीत कार्य कर सकता था।
- **कथन 3 गलत है:** इसने ग्यारह में से छह प्रांतों, जैसे असम, बॉम्बे, बंगाल, मद्रास, बिहार और संयुक्त प्रांत में द्विसदनीयता की शुरुआत की। हालाँकि, केंद्रीय और प्रांतीय विधानमंडलों की विधायी शक्तियों की विभिन्न सीमाएँ थीं और उनमें से किसी में भी संप्रभु विधानमंडल की विशेषताएँ नहीं थीं।

- **कथन 2 सही है:** संघीय विधानमंडल में दो सदन शामिल होने चाहिए: राज्य परिषद (उच्च सदन) और संघीय विधानसभा (निचला सदन)।

Q4. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. बलदेव सिंह
2. सर शफाअत अहमद खान
3. जॉन मथाई
4. सी.एच. भाभा

उपर्युक्त में से किसने 1946 में भारत की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व किया था?

- (a) 1 और 4
- (b) 1, 3 और 4
- (c) 2, 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: b

- 2 सितंबर 1946 को कांग्रेस पार्टी ने सरकार बनाई। 23 सितंबर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने कांग्रेस कार्य समिति के फैसले की पुष्टि की।
- **विकल्प 2 गलत है:** मुस्लिम लीग ने शुरू में सरकार से बाहर बैठने का फैसला किया और आसफ अली, सर शफाअत अहमद खान और सैयद अली ज़हीर, सभी गैर-लीग मुस्लिम प्रतिनिधियों ने मुसलमानों के लिए आरक्षित पांच मंत्रालयों में से तीन पर कब्जा कर लिया और दो पद रिक्त रह गये।
- हालाँकि, लॉर्ड वेवेल ने मुस्लिम लीग को सभी पांच आरक्षित विभाग आवंटित करने पर सहमति व्यक्त की, यदि वह सहयोग करने के लिए सहमत हो, तो अंततः मुस्लिम लीग इसमें शामिल हो गई। अक्टूबर में, मुस्लिम लीग के नए सदस्यों को शामिल करने के लिए कैबिनेट में फेरबदल किया गया और पिछली टीम से शरत चंद्र बोस, सर शफाअत अहमद खान और सैयद अली ज़हीर को हटा दिया गया।
- **विकल्प 3, 1 और 4 सही हैं:** बलदेव सिंह, सी.एच. भाभा और जॉन मथाई अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करते रहे।

Q5. राष्ट्रीय ध्वज समिति के अध्यक्ष कौन थे?

- (a) सी. राजगोपालाचारी
- (b) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
- (c) जे.बी. कृपलानी
- (d) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

उत्तर: b

- स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन करने के लिए 23 जून 1947 को भारत की संविधान सभा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज समिति की नियुक्ति की गई थी। समिति की अध्यक्षता डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने की और इसमें मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सरोजिनी नायडू, सी. राजगोपालाचारी, के.एम. मुंशी और बी.आर. अम्बेडकर जैसे अन्य प्रमुख नेता शामिल थे। **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**
- जे.बी. कृपलानी किसी भी ध्वज समिति के न तो अध्यक्ष थे और न ही सदस्य।

Q6. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 148 में कैग के कार्यालय का प्रावधान है।
2. कैग केवल केंद्र में जनता के धन का संरक्षक है, राज्य में नहीं।
3. कैग को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भारत के संविधान के तहत सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी कहा था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: भारत का संविधान (अनुच्छेद 148) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) के एक स्वतंत्र कार्यालय का प्रावधान करता है। भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग 1753 में ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था।

कथन 2 गलत है: कैग भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग का प्रमुख होता है। वह सार्वजनिक धन का संरक्षक है और केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर देश की संपूर्ण वित्तीय प्रणाली को नियंत्रित करता है।

कथन 3 सही है: इसका कर्तव्य वित्तीय प्रशासन के क्षेत्र में भारत के संविधान और संसद के कानूनों को बनाए रखना है। यही कारण है कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने कहा कि, कैग भारत के संविधान के तहत सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी होगा। यह भारत में सरकार की लोकतांत्रिक प्रणाली के स्तंभों में से एक है: अन्य सर्वोच्च न्यायालय, चुनाव आयोग और संघ लोक सेवा आयोग हैं।

“Q7. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों” के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधान इन्हें तीन व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत करता है - समाजवादी, गांधीवादी और उदारवादी।
2. इनका उद्देश्य देश में राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना करना है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

कथन 1 गलत है: संविधान में निर्देशक तत्वों का कोई वर्गीकरण नहीं है। हालाँकि, उनके स्रोत और उद्देश्यों के आधार पर तीन व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, अर्थात्, समाजवादी, गांधीवादी और उदार-बौद्धिक।

कथन 2 गलत है: निर्देशक तत्वों का उद्देश्य भारतीय संविधान में एक लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को शामिल करना है। नीति निर्देशक तत्व का उद्देश्य देश में आर्थिक एवं सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। मौलिक अधिकारों का उद्देश्य राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना करना है।

Q8. 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के प्रावधानों को अनिवार्य और स्वैच्छिक दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है। निम्नलिखित में से कौन से स्वैच्छिक प्रावधानों का हिस्सा है/हैं?

1. राज्य चुनाव आयोग की स्थापना।
2. पंचायत के तीनों स्तरों पर महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करना।
3. ग्राम पंचायत के अध्यक्ष के चुनाव की पद्धति का निर्धारण करना।
4. राज्य की संचित निधि से पंचायतों को सहायता अनुदान प्रदान करना।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3 और 4
- (d) केवल 1 और 4

उत्तर: (c)

73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1992) के **अनिवार्य प्रावधान:** किसी गाँव या गाँवों के समूह में ग्राम सभा का आयोजन।

कथन 1 गलत है: ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों की स्थापना।

राज्य चुनाव आयोग की स्थापना।

कथन 2 गलत है: तीनों स्तरों पर पंचायतों में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों का आरक्षण।

73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1992) के **स्वैच्छिक प्रावधान:**

कथन 3 सही है: ग्राम पंचायत के अध्यक्ष के चुनाव की पद्धति का निर्धारण करना।

कथन 4 सही है: राज्य की समेकित निधि से पंचायतों को सहायता अनुदान प्रदान करना।

राज्य सरकार द्वारा लगाए और वसूले जाने वाले करों, शुल्कों, टोलों और शुल्कों को पंचायत को सौंपना।

Q9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी पंचायत की अवधि समाप्त होने से पहले उसके विघटन पर गठित नई पंचायत पूरे पांच वर्ष तक कार्य करेगी।

2. 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1992) के प्रारंभ होते ही पंचायतों से संबंधित सभी राज्य कानून तत्काल प्रभाव से समाप्त हो गये।
3. ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों के सभी सदस्य प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुने जाते हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

कथन 1 गलत है: किसी पंचायत की अवधि समाप्त होने से पहले उसके विघटन पर गठित पंचायत केवल उस शेष अवधि के लिए जारी रहेगी, जिसके लिए भंग पंचायत जारी रहती यदि वह इस प्रकार भंग नहीं हुई होती।

कथन 2 गलत है: पंचायतों से संबंधित सभी राज्य कानून इस अधिनियम के प्रारंभ होने से एक वर्ष की समाप्ति तक लागू रहेंगे।

कथन 3 सही है: ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों के सभी सदस्य सीधे लोगों द्वारा चुने जाएंगे।

Q10. नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (नीति आयोग) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह न तो संवैधानिक और न ही वैधानिक निकाय है।
2. नीति आयोग के उपाध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
3. इसकी गवर्निंग काउंसिल में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

कथन 1 सही है: नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (नीति आयोग) भारत सरकार के एक कार्यकारी संकल्प द्वारा बनाया गया था। यह न तो संवैधानिक निकाय है और न ही वैधानिक निकाय है।

कथन 2 गलत है: नीति आयोग के उपाध्यक्ष की नियुक्ति प्रधान मंत्री द्वारा की जाती है।

कथन 3 सही है: नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल में सभी राज्यों और विधानमंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों (दिल्ली और पुडुचेरी को छोड़कर) के उपराज्यपाल शामिल हैं।

Q11 निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) के सदस्य हैं?

1. नीति आयोग के सदस्य
2. सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

3. सभी राज्यों के मुख्यमंत्री
4. सभी राज्यों के राज्यपाल

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की संरचना है:

प्रधानमंत्री

सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

नीति आयोग के सदस्य

केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि, और

भारत के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की संरचना में सभी राज्यों के राज्यपाल शामिल नहीं हैं। अतः विकल्प (b) सही है।

Q12 स्थगन प्रस्ताव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस प्रस्ताव में शामिल होने के लिए कम से कम 50 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है।
2. यह प्रस्ताव लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी पेश किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: एक स्थगन प्रस्ताव केवल तभी स्वीकार किया जा सकता है जब उसे 50 सदस्यों का समर्थन प्राप्त हो।

कथन 2 गलत है: स्थगन प्रस्ताव केवल लोकसभा में पेश किया जाता है। चूंकि इसमें सरकार के खिलाफ निंदा का तत्व शामिल है, इसलिए राज्यसभा को इस साधन के उपयोग करने की अनुमति नहीं है।

Q13. दल-बदल विरोधी कानून के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दल-बदल विरोधी कानून के तहत, यदि कोई निर्दलीय विधायक निर्वाचित होने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होना चाहता है तो उसे अपनी सीट छोड़नी होगी।

2. यदि किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुना गया कोई सदस्य स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है और किसी अन्य पार्टी में शामिल हो जाता है, तो उसे दल-बदल विरोधी कानून के तहत बर्खास्त कर दिया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

दल-बदल विरोधी कानून वर्ष 1985 के 52वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से पेश किया गया था।

कथन 1 सही है: दल-बदल विरोधी कानून के तहत, किसी निर्दलीय विधायक को अपनी सीट छोड़नी होगी यदि वह निर्वाचित होने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होना चाहता है।

कथन 2 सही है: अधिनियम के अनुसार, भले ही किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुना गया, यदि कोई सदस्य पार्टी की सदस्यता "स्वेच्छा से छोड़ देता है" और किसी अन्य पार्टी में शामिल हो जाता है, वह दल-बदल विरोधी कानून के अधीन होता है, जहां वे निर्वाचित सीट से अपनी सदस्यता खो देते हैं।

Q14. लोकपाल और लोकायुक्त के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. लोकपाल एक बहु-सदस्यीय निकाय है, जिसमें एक अध्यक्ष और अधिकतम पाँच सदस्य होते हैं।
- 2. ये वैधानिक निकाय हैं।
- 3. भारत में, महाराष्ट्र लोकायुक्त संस्था की स्थापना करने वाला पहला राज्य बन गया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

कथन 1 गलत है: वर्ष 1966 में, प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग ने सांसदों सहित सार्वजनिक पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायतों के निपटान हेतु केंद्र और राज्य स्तर पर दो स्वतंत्र प्राधिकरणों की स्थापना की सिफारिश की थी। लोकपाल एक बहु-सदस्यीय निकाय है, जिसमें एक अध्यक्ष और अधिकतम 8 सदस्य होते हैं।

कथन 2 सही है: लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 (जिसे आमतौर पर लोकपाल अधिनियम के रूप में जाना जाता है), भारत में भारतीय संसद का एक भ्रष्टाचार विरोधी अधिनियम है जो इन दो संस्थानों के गठन का प्रावधान करना चाहता है। इसलिए, ये वैधानिक निकाय हैं।

कथन 3 सही है: भारत में, महाराष्ट्र वर्ष 1971 में लोकायुक्त संस्था की स्थापना करने वाला पहला राज्य बन गया।

Q15 निम्नलिखित में से किस बिंदु के लिए संविधान सभा की आलोचना की गई है?

1. कोई प्रतिनिधि संस्था नहीं
2. एक संप्रभु निकाय
3. समय लेने वाला

कोड:

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: c

- **कथन 1 सही है** :आलोचकों ने तर्क दिया है कि संविधान सभा एक प्रतिनिधि निकाय नहीं थी क्योंकि इसके सदस्य सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर भारत के लोगों द्वारा सीधे नहीं चुने गए थे।
- **कथन 2 गलत है** :आलोचकों का कहना था कि संविधान सभा एक संप्रभु निकाय नहीं थी क्योंकि यह ब्रिटिश सरकार के प्रस्तावों द्वारा बनाई गई थी। इसके अलावा ,उन्होंने कहा कि संविधान सभा ने ब्रिटिश सरकार की अनुमति से अपने सत्र आयोजित किए।
- **कथन 3 सही है** :आलोचकों के अनुसार ,संविधान सभा को संविधान बनाने में अनावश्यक रूप से लंबा समय लगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी संविधान के निर्माताओं को अपना काम पूरा करने में केवल चार महीने लगे थे।

Q16. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के निम्नलिखित में से कौन से पहलू भारत के संविधान में शामिल हैं?

- (a) नागरिकता
- (b) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
- (c) भारत के क्षेत्र
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: d

- भारत का संविधान भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के सभी पहलुओं को उसके मूल उद्देश्यों सहित परिभाषित करता है।
- इसमें उन क्षेत्रों के संबंध में प्रावधान हैं जिनमें भारत शामिल होगा

नागरिकता

मौलिक अधिकार

राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत एवं मौलिक कर्तव्य

संघ, राज्य और स्थानीय स्तर पर सरकारों की संरचना और कार्यप्रणाली

राजनीतिक व्यवस्था के कई अन्य पहलू

- यह भारत को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक, समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में परिभाषित करता है।
- इसमें सामाजिक परिवर्तन लाने और व्यक्तिगत नागरिक और राज्य के बीच संबंधों को परिभाषित करने के प्रावधान हैं। **इसलिए, विकल्प (d) सही है।**

Q17 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 भारत को एक 'संघ' के रूप में वर्णित करता है।

कथन II:

ग्रानविले ऑस्टिन ने भारतीय संविधान को 'सहकारी संघवाद' के रूप में वर्णित किया है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: d

- **कथन I गलत है:** 'फेडरेशन' शब्द का प्रयोग संविधान में कहीं भी नहीं किया गया है। दूसरी ओर, अनुच्छेद 1, भारत को 'राज्यों के संघ' के रूप में वर्णित करता है जिसका तात्पर्य दो चीजों से है: एक, भारतीय संघ राज्यों द्वारा किसी समझौते का परिणाम नहीं है; और दो, किसी भी राज्य को संघ से अलग होने का अधिकार नहीं है।
- **कथन II सही है:** भारतीय संविधान को 'रूप में संघीय लेकिन भावना में एकात्मक', केसी व्हेयर द्वारा 'अर्ध-संघीय', मॉरिस जोन्स द्वारा 'सौदेबाजी संघवाद', आइवर जेनिंग्स द्वारा 'केंद्रीकरण प्रवृत्ति वाला महासंघ', ग्रेनविले ऑस्टिन द्वारा 'सहकारी संघवाद' इत्यादि के रूप में वर्णित किया गया है।

Q18 संविधान की प्रस्तावना के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव अंततः प्रस्तावना बन गया।
2. यह गैर-न्यायसंगत है।
3. इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता।
4. प्रस्तावना संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को खत्म नहीं कर सकती।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: c

- **कथन 1 सही है:** 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तावित उद्देश्य प्रस्ताव को 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया था। यह प्रस्ताव बाद में प्रस्तावना की नींव बन गया।
- **कथन 2 सही है:** भारत के संविधान की प्रस्तावना गैर-न्यायसंगत है। इसका मतलब यह है कि प्रस्तावना के प्रावधानों को सीधे अदालत में लागू नहीं किया जा सकता है। हालाँकि, प्रस्तावना को संविधान का अभिन्न अंग माना जाता है और इसके प्रावधानों का उपयोग संविधान के अन्य प्रावधानों की व्याख्या के लिए किया जा सकता है।
- **कथन 3 गलत है:** भारत के संविधान की प्रस्तावना को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित किया जा सकता है। हालाँकि, प्रस्तावना की मूल संरचना को बदला नहीं जा सकता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती (1973) के ऐतिहासिक मामले में कहा कि प्रस्तावना संविधान की मूल संरचना का एक हिस्सा है। इसका मतलब यह है कि प्रस्तावना के मूल सिद्धांतों, जैसे संप्रभुता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और न्याय को संशोधन प्रक्रिया के माध्यम से नहीं बदला जा सकता है।
- **कथन 4 सही है:** भारत के संविधान की प्रस्तावना संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को खत्म नहीं कर सकती है। इसका मतलब यह है कि यदि प्रस्तावना और संविधान के किसी विशिष्ट प्रावधान के बीच कोई विरोधाभास है, इसलिए बाद वाला ही मान्य होगा।

Q19. केशवानंद भारती मामला भारत के संवैधानिक इतिहास में एक ऐतिहासिक फैसला है। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. प्रस्तावना का उपयोग संविधान को समझने और व्याख्या करने के लिए एक सार्थक तंत्र के रूप में किया जाना चाहिए।
2. प्रस्तावना न्यायसंगत है और इसके प्रावधान कानून की अदालतों में लागू करने योग्य हैं।
3. प्रस्तावना में "मूल तत्व" को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित नहीं किया जा सकता है।

इसकी व्याख्या से संबंधित निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1 और 3

उत्तर: d

- **कथन 1 सही है:** प्रस्तावना संविधान के मूल दर्शन और संरचना को समझने की कुंजी है। यह उन मूलभूत सिद्धांतों को निर्धारित करता है जिन पर संविधान आधारित है, जैसे संप्रभुता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और न्याय। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि प्रस्तावना संविधान का एक अभिन्न अंग है और इसका उपयोग संविधान के अन्य प्रावधानों की व्याख्या करने के लिए किया जा सकता है।
- **कथन 2 गलत है:** प्रस्तावना न्यायसंगत नहीं है, जिसका अर्थ है कि इसके प्रावधानों को सीधे अदालत में लागू नहीं किया जा सकता है। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि प्रस्तावना संवैधानिक कानून का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और इसका उपयोग संविधान के अन्य प्रावधानों की व्याख्या करने के लिए किया जा सकता है।
- **कथन 3 सही है:** भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती मामले में माना कि संविधान की मूल संरचना को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित नहीं किया जा सकता है। प्रस्तावना को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना जाता है। इसलिए, प्रस्तावना में "मूल तत्वों" को संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित नहीं किया जा सकता है।

Q20. प्रस्तावना में संशोधन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

44वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने अब तक केवल एक बार प्रस्तावना में संशोधन किया है।

कथन II:

तीन नए शब्द; प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता को जोड़ा गया था।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है।
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है।
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: d

- **कथन 1 गलत है:** प्रस्तावना को अब तक केवल एक बार, 1976 में, 42वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया है। 42वां संशोधन अधिनियम आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। हालाँकि, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने *मिनर्वा मिल्स (1980)* के मामले में 42वें संशोधन अधिनियम की वैधता को बरकरार रखा।
- **कथन 2 सही है:** 42वें संशोधन अधिनियम ने प्रस्तावना में तीन नए शब्द युग्म: समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता। ये शब्द भारतीय संविधान की सामाजिक न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

Q21. 42वें संविधान संशोधन द्वारा निम्नलिखित में से कौन से निर्देशक सिद्धांत जोड़ा गया था?

1. उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना।
2. पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना तथा वनों एवं वन्य जीवों की सुरक्षा करना।
3. बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अवसर सुरक्षित करना।
4. समान न्याय को बढ़ावा देना और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 1, 2, और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

1976 के 42वें संशोधन अधिनियम ने मूल सूची में चार नए निर्देशक सिद्धांत जोड़े:

अनुच्छेद 43A: उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना।

अनुच्छेद 48ए: पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना तथा वनों और वन्य जीवन की सुरक्षा करना।

अनुच्छेद 39: बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अवसर सुरक्षित करना।

अनुच्छेद 39ए: समान न्याय को बढ़ावा देना और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना।

Q22. 97वें संविधान संशोधन द्वारा राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धांत जोड़ा गया था?

- (a) पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान काम के लिए समान वेतन।
- (b) उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी।
- (c) सहकारी समितियों को बढ़ावा देना।
- (d) श्रमिकों के लिए जीवनयापन योग्य वेतन और काम की मानवीय स्थितियाँ सुरक्षित करना।

उत्तर: (c)

- 97वें संशोधन अधिनियम, 2011 द्वारा सहकारी समितियों से संबंधित एक नया निर्देशक तत्व जोड़ा गया। इसके अनुसार राज्य को सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कामकाज, लोकतांत्रिक

नियंत्रण और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देने पर बल देना चाहिए है (अनुच्छेद 43B)। अतः विकल्प (c) सही है।

Q23. फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (FTSCs) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. FTSCs केंद्र प्रायोजित योजना है एवं यह विधि और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
2. इसकी केंद्रीय हिस्सेदारी निर्भया फंड से वित्तपोषित की जाएगी।
3. FTSCs राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड से नहीं जुड़े हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

- यौन अपराधों की घटनाओं और अभियुक्तों की लंबी सुनवाई के कारण पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए समर्पित अदालती तंत्र की आवश्यकता होती है।
- कथन 1 सही है: समर्पित अदालतों के रूप में डिज़ाइन किए गए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (FTSCs) का गठन बलात्कार और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (POCSO Act) के मामलों की सुनवाई के लिए की गई थी। एफटीएससी एक केंद्र प्रायोजित योजना है और यह विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
- कथन 2 सही है: इसकी केंद्रीय हिस्सेदारी निर्भया फंड से वित्तपोषित की जाएगी, जिसका उद्देश्य देश में महिलाओं के लिए रक्षा और सुरक्षा बढ़ाना है।
- कथन 3 गलत है: एफटीएससी राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड से जुड़े हुए हैं

Q24. चुनावी बॉन्ड (Electoral Bonds-EBs) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. EBs ब्याज मुक्त वाहक बांड हैं जिन्हें कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा खरीदा जा सकता है।
2. किसी व्यक्ति या कंपनी द्वारा खरीदे जाने वाले EBs की संख्या की एक सीमा होती है।
3. EBs के सभी लेनदेन चेक या डिजिटल रूप से किए जाते हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

- कथन 1 सही है: चुनावी बॉन्ड (Electoral Bonds-EBs) ब्याज मुक्त बॉन्ड या धन उपकरण हैं, जिन्हें भारत में कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अधिकृत शाखाओं से खरीदा जा सकता है।
- कथन 2 गलत है: किसी व्यक्ति या कंपनी द्वारा खरीदे जाने वाले चुनावी बॉन्ड की संख्या पर कोई सीमा नहीं है।
- कथन 3 सही है: ईबी के सभी लेनदेन चेक या डिजिटल रूप से किए जाते हैं।

Q25. नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करता है।
2. महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण से संबंधित प्रावधान 20 वर्ष पूर्ण होने के बाद समाप्त हो जाएंगे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Q26. रिटर्निंग अधिकारी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. रिटर्निंग ऑफिसर के कर्तव्यों में नामांकन फॉर्म स्वीकार करना और उनकी जांच करना शामिल है।
2. वह केवल एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।
3. भारत निर्वाचन आयोग राज्य सरकारों के परामर्श से किसी निर्वाचन क्षेत्र में रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने गलत है/हैं?

- (a) केवल एक

- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- कथन 1 सही है: नारी शक्ति वंदन (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और एनसीटी दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने से संबंधित है।
- अनुच्छेद 239AA: दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) की विधान सभा में महिलाओं के लिए 1/3 सीटों का आरक्षण।
- अनुच्छेद 330A: लोक सभा में महिलाओं के लिए 1/3 सीटों का आरक्षण।
- अनुच्छेद 332A: प्रत्येक राज्य की विधान सभा में महिलाओं के लिए 1/3 सीटें आरक्षित करना।
- कथन 2 गलत है: इसमें सनसेट खंड है: महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण से संबंधित प्रावधान 15 साल की समाप्ति के बाद प्रभावी नहीं होंगे।

Q27. अधिसूचित क्षेत्र समिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह उस शहर के लिए बनाया गया है जो अभी तक नगरपालिका के गठन के लिए आवश्यक सभी शर्तों को पूरा नहीं करता है।
2. यह राज्य विधानमंडल के एक अधिनियम द्वारा गठित किया गया है।
3. यह एक निर्वाचित निकाय है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 सही है:** एक अधिसूचित क्षेत्र समिति दो प्रकार के क्षेत्रों के प्रशासन के लिए बनाई जाती है- एक औद्योगीकरण के कारण तेजी से विकसित होने वाला शहर और एक ऐसा शहर जो अभी तक नगरपालिका के गठन के लिए आवश्यक सभी शर्तों को पूरा नहीं करता है, लेकिन दूसरी ओर इसे राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण माना जाता है।

- **कथन 2 और 3 गलत हैं:** यह एक पूरी तरह से नामांकित निकाय है, अर्थात्, अध्यक्ष सहित अधिसूचित क्षेत्र समिति के सभी सदस्यों को राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाता है। इस प्रकार, यह न तो एक निर्वाचित निकाय है और न ही एक वैधानिक निकाय है।

Q28. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केंद्र और एक या अधिक राज्यों के मध्य विवाद।
2. दो या दो से अधिक राज्यों के मध्य विवाद।
3. संविधान-पूर्व किसी संधि, समझौते या संविदा से उत्पन्न विवाद।

उपरोक्त में से कितने विषय उच्चतम न्यायालय के मूल क्षेत्राधिकार के अधीन हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर:(b)

- एक संघीय न्यायालय के रूप में, सर्वोच्च न्यायालय भारतीय संघ की विभिन्न इकाइयों के मध्य विवादों का समाधान करता है।
- निम्नलिखित संघीय विवादों में, सर्वोच्च न्यायालय के पास विशेष मूल क्षेत्राधिकार हैं:
 - केंद्र और एक या अधिक राज्य
 - केंद्र और कोई भी राज्य या एक पक्ष के रूप में राज्य और दूसरे पक्ष के रूप में एक या अधिक राज्य
 - दो या दो से अधिक राज्यों के बीच।
- सर्वोच्च न्यायालय का मूल क्षेत्राधिकार किसी भी संविधान-पूर्व संधि, समझौते, से उत्पन्न विवाद तक विस्तारित नहीं है। अतः विकल्प (b) सही है।

Q29. निम्नलिखित में से किसके लिए प्रतिषेध (Prohibition) रिट जारी की जा सकती है?

1. अधीनस्थ न्यायालय
2. अधिकरण
3. प्रशासनिक अधिकारी
4. विधायी निकाय

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 1, 2 और 3
- (d) 1, 2 और 4

उत्तर:(a)

- प्रतिषेध रिट उच्च न्यायालय द्वारा अधीनस्थ न्यायालय या न्यायाधिकरण को जारी की जाती है, ताकि अधीनस्थ न्यायालय या न्यायाधिकरण को अपने अधिकार क्षेत्र से आगे विस्तारित या उस अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप से रोकना जो उनके अधीन नहीं है। इस प्रकार, परमादेश जो कि कार्यों को निर्देशित करने के लिए जारी की जाती है के विपरीत, प्रतिषेध निष्क्रियता को निर्देशित करता है।
- प्रतिषेध केवल न्यायिक और अर्ध-न्यायिक प्राधिकारियों के विरुद्ध ही जारी की जा सकती है। यह प्रशासनिक अधिकारियों, विधायी निकायों और निजी व्यक्तियों या निकायों के विरुद्ध जारी नहीं की जा सकती है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q30. केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह न तो संवैधानिक निकाय है, और न ही वैधानिक निकाय है।
2. केंद्रीय सतर्कता आयुक्त का कार्यकाल चार वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है।
3. केंद्रीय सतर्कता आयुक्त अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद केंद्र या राज्य सरकार के तहत किसी भी रोजगार के लिए पात्र नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (b)

- कथन 1 गलत है: केंद्रीय सतर्कता आयोग के गठन के समय यह न तो एक वैधानिक निकाय था और न ही एक संवैधानिक निकाय, लेकिन 2003 में इसे वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया था।
- कथन 2 सही है: केंद्रीय सतर्कता आयुक्त 4 साल की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं।
- कथन 3 सही है: केंद्रीय सतर्कता आयुक्त अपने कार्यकाल के पूरा होने के बाद केंद्र या राज्य सरकार के अधीन किसी भी रोजगार के लिए पात्र नहीं है।

Q 31. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यदि समवर्ती सूची और राज्य सूची के बीच कोई विरोधाभास है, तो राज्य सूची को मान्य किया जाना चाहिए।
2. अवशिष्ट कर लगाने की शक्ति संबंधित राज्य सरकार के पास है।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही

उत्तर: (d)

- कथन 1 ग़लत है: संविधान स्पष्ट रूप से राज्य सूची और समवर्ती सूची पर संघ सूची की सर्वोच्चता और राज्य सूची पर समवर्ती सूची की सर्वोच्चता सुनिश्चित करता है। जहां समवर्ती सूची और राज्य सूची के बीच विरोधाभास है, वहां समवर्ती सूची को ही प्राथमिकता दी जाएगी।
- कथन 2 ग़लत है: अवशिष्ट विषयों (अर्थात वे विषय जो तीनों सूचियों में से किसी में भी शामिल नहीं हैं) के संबंध में कानून बनाने की शक्ति संसद में निहित है। कानून की इस अवशिष्ट शक्ति में अवशिष्ट कर लगाने की शक्ति भी शामिल है।

Q32. राज्य के नीति निर्देशक तत्व भारत के लिए उपयोगी रहे हैं क्योंकि:

1. वे सरकार के प्रदर्शन के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षण के रूप में कार्य करते हैं।
2. उन्होंने न्यायालयों को न्यायिक समीक्षा की अपनी शक्ति का प्रयोग करने में सहायता की है।
3. वे आम राजनीतिक घोषणापत्र के रूप में कार्य करते हैं।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

हालांकि निर्देशक सिद्धांत कोई कानूनी अधिकार प्रदान नहीं करते हैं और कोई कानूनी उपाय नहीं बनाते हैं, फिर भी निम्नलिखित तरीकों से महत्वपूर्ण और उपयोगी हैं:

- कथन 1 सही है: वे सरकार के प्रदर्शन के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षण के रूप में कार्य करते हैं। जनता इन संवैधानिक घोषणाओं के आलोक में सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की जांच कर सकते हैं।
- कथन 2 सही है: उन्होंने न्यायालयों के लिए उपयोगी प्रकाशस्तंभ के रूप में काम किया है। उन्होंने न्यायालयों को न्यायिक समीक्षा की अपनी शक्ति, यानी किसी कानून की संवैधानिक वैधता निर्धारित करने की शक्ति का प्रयोग करने में सहायता की है।
- कथन 3 सही है: वे आम राजनीतिक घोषणापत्र के रूप में कार्य करते हैं। 'एक सत्तारूढ़ दल को, चाहे उसकी राजनीतिक विचारधारा कुछ भी हो, इस तथ्य को पहचानना होगा कि ये सिद्धांत उसके विधायी और कार्यकारी कृत्यों में उसके मार्गदर्शक, दार्शनिक और मित्र बनने के लिए हैं।

Q33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जब राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा लागू होती है तो राष्ट्रपति को राज्य सूची के मामलों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति प्राप्त हो जाती है।
2. राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान बनाए गए कानून आपातकाल समाप्त होने के छह महीने की समाप्ति पर निष्क्रिय हो जाएंगे।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

- कथन 1 गलत है: राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा के दौरान संसद को वस्तु एवं सेवा कर या राज्य सूची के मामलों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति प्राप्त हो जाती है
- कथन 2 सही है: आपातकाल समाप्त होने के छह महीने की समाप्ति पर कानून निष्क्रिय हो जाते हैं।

Q34. राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राष्ट्रीय हरित अधिकरण एक वैधानिक निकाय है।
2. NGT मुख्य रूप से वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 और भारतीय वन अधिनियम, 1927 से संबंधित मामलों की सुनवाई करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर : (a)

- कथन 1 सही है: राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत की गई है। इसलिए, यह एक वैधानिक निकाय है।
- कथन 2 गलत है: एनजीटी को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, भारतीय वन अधिनियम, 1927 और वनों, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित राज्यों द्वारा अधिनियमित विभिन्न कानूनों से संबंधित किसी भी मामले की सुनवाई करने की शक्ति नहीं है।

Q35. केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. CAT सर्वोच्च न्यायालय के कर्मचारियों और संसद के सचिवीय कर्मचारियों से संबंधित मामलों में मूल क्षेत्राधिकार का प्रयोग करता है।
2. CAT के आदेशों के खिलाफ अपील केवल सुप्रीम कोर्ट में ही की जा सकती है।
3. CAT के सदस्यों की चयन समिति की अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (d)

- **कथन 1 गलत है:** कैट, भर्ती प्रक्रिया और इसके अंतर्गत आने वाले लोक सेवकों के सभी सेवा मामलों के संबंध में मूल क्षेत्राधिकार का प्रयोग करता है। इसका अधिकार क्षेत्र अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सिविल सेवाओं, केंद्र के अधीन सिविल पदों और रक्षा सेवाओं के नागरिक कर्मचारियों तक विस्तृत है। हालाँकि, रक्षा बलों के सदस्य, सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारी और कर्मचारी और संसद के सचिवीय कर्मचारी इसके अंतर्गत नहीं आते हैं।
- **कथन 2 गलत है:** मूल रूप से, कैट के आदेशों के खिलाफ अपील केवल उच्चतम न्यायालय में की जा सकती है, उच्च न्यायालयों में नहीं। हालाँकि, चंद्र कुमार मामले (1997) में, सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों के क्षेत्राधिकार पर इस प्रतिबंध को असंवैधानिक घोषित कर दिया, यह मानते हुए कि न्यायिक समीक्षा संविधान की मूल संरचना का एक हिस्सा है।

- **कथन 3 गलत है:** कैट के सदस्यों की नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय के पदस्थ न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली एक उच्चाधिकार प्राप्त चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाती है, जिसे भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित किया जाता है।

Q36. हाल ही में AMU के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर विवाद चर्चाओं में था , इस संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के संविधान के अनुसार सभी अल्पसंख्यक, चाहे धार्मिक हों या भाषाई, अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित और प्रशासित कर सकते हैं।
2. संविधान के अनुसार अल्पसंख्यक समुदाय अपने बच्चों को अपनी भाषा में शिक्षा दे सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

- कथन 1 सही है: अनुच्छेद 30 के अनुसार, सभी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने का अधिकार होगा।
- कथन 2 सही है: अनुच्छेद 30 के तहत अधिकार में अल्पसंख्यकों को अपने बच्चों को अपनी भाषा में शिक्षा प्रदान करने का अधिकार भी शामिल है

Q37. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वह अपना पद त्यागने के पश्चात किसी अन्य पद के लिए पात्र है।
2. CAG के पद की सेवा शर्तें राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाती है।
3. उसे कार्यकाल की सुरक्षा प्राप्त है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 गलत है:** वह अपना पद छोड़ने त्यागने के पश्चात्, भारत सरकार या किसी भी राज्य के तहत आगे के पद के लिए पात्र नहीं है।
- **कथन 2 गलत है:** उसका वेतन और अन्य सेवा शर्तें संसद द्वारा निर्धारित की जाती हैं, उसका वेतन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के समान होता है।
- **कथन 3 सही है:** उसे कार्यकाल की सुरक्षा प्राप्त है। संविधान में उल्लिखित प्रक्रिया का पालन करते हुए ही राष्ट्रपति द्वारा उसे हटाया जा सकता है। इस प्रकार, वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत तक अपने पद पर नहीं रहता है, भले ही उसकी नियुक्ति उसके द्वारा की जाती है।

Q38. भारत के विधि आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक वैधानिक निकाय है।
2. आयोग का पुनर्गठन हर चार साल में किया जाता है।
3. आयोग विशिष्ट विषयों पर स्वप्रेरणा से अध्ययन आरंभ कर सकता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 गलत है:** भारत का विधि आयोग समय-समय पर सरकार द्वारा गठित एक गैर-वैधानिक निकाय है।
- **कथन 2 गलत है:** आयोग मूल रूप से 1955 में गठित किया गया था और हर तीन साल में इसका पुनर्गठन किया जाता है।
- **कथन 3 सही है:** आयोग केंद्र सरकार और/या सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों से प्राप्त संदर्भों के आधार पर परियोजनाओं पर काम करता है। कभी-कभी आयोग विषय वस्तु के महत्व को ध्यान में रखते हुए स्वतः संज्ञान लेकर विशिष्ट विषयों पर अध्ययन आरंभ करता है।

Q39. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
2. पुडुचेरी
3. चंडीगढ़
4. लद्दाख

भारत के उपर्युक्त केंद्र शासित प्रदेशों में से कौन सा विधानमंडल के बिना है?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 1 और 3
- (c) 1, 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (c)

- वर्तमान स्थिति के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेशों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:
- विधायिका के बिना केंद्र शासित प्रदेश - जिसमें अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, चंडीगढ़ और लद्दाख शामिल हैं। **इसलिए, विकल्प (c) सही है।**
- केंद्र शासित प्रदेश जिनके लिए अनुच्छेद 239 A के तहत संसद द्वारा विधानसभाएं बनाई जा सकती हैं - इस श्रेणी में पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।
- केंद्र शासित प्रदेश जहां संविधान के अनुसार विधानसभाएं हैं (अनुच्छेद 239AA और 239AB) - इस श्रेणी में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली शामिल है।

Q40. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

भारतीय संघ के राज्यों का वर्गीकरण	जिन राज्यों से इन्हें शामिल किया गया था
भाग A	ब्रिटिश भारत के पूर्व गवर्नरों के प्रांत
भाग B ★	विधानमंडल वाली पूर्व रियासतें ★
भाग C	पूर्व मुख्य आयुक्तों के प्रांत
भाग D	दादरा और नगर हवेली

उपर्युक्त में से कौन सा युग्म सही सुमेलित है?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2 और 4
- (c) 2, 3 और 4
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (a)

- 1950 में, संविधान में भारतीय संघ के राज्यों का चार गुना वर्गीकरण शामिल था - भाग A, भाग B, भाग C और भाग D राज्य। कुल मिलाकर उनकी संख्या 29 थी।
- **विकल्प a सही है:** भाग-A राज्यों में ब्रिटिश भारत के नौ तत्कालीन गवर्नर प्रांत शामिल थे।

- विकल्प b सही है: भाग-B राज्यों में विधानसभाओं के साथ नौ पूर्ववर्ती रियासतें शामिल थीं।
- विकल्प c सही है: भाग-C राज्यों में ब्रिटिश भारत के तत्कालीन मुख्य आयुक्त के प्रांत और कुछ तत्कालीन रियासतें शामिल थीं। ये भाग-C राज्य संख्या में कुल (10 केंद्र प्रशासित थे)।
- विकल्प d गलत है: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को एकांत भाग-D राज्य के रूप में रखा गया।

Q41. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'भारत संघ', 'भारत क्षेत्र' की तुलना में एक व्यापक अभिव्यक्ति है।
2. 'भारतीय क्षेत्र' शब्द में राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और अन्य क्षेत्र शामिल हैं जिनका भारत भविष्य में अधिग्रहण कर सकता है।
3. राज्यों और क्षेत्रों को संविधान की दूसरी अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: b

- कथन 1 गलत है: 'भारत का क्षेत्र' 'भारत संघ' की तुलना में एक व्यापक अभिव्यक्ति है क्योंकि बाद वाले में केवल राज्य शामिल हैं जबकि पहले में न केवल राज्य बल्कि केंद्र शासित प्रदेश और वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिनका भविष्य में किसी भी समय भारत सरकार द्वारा अधिग्रहण किया जा सकता है।
- कथन 2 सही है: राज्य संघीय प्रणाली के सदस्य हैं और केंद्र के साथ शक्तियों का वितरण साझा करते हैं। दूसरी ओर, केंद्र सरकार सीधे केंद्र शासित प्रदेशों और अधिग्रहीत क्षेत्रों का प्रशासन करती है। भारतीय क्षेत्र शब्द में न केवल राज्य बल्कि केंद्र शासित प्रदेश और अन्य क्षेत्र भी शामिल हैं जिन्हें भारत अधिग्रहण कर सकता है।
- कथन 3 गलत है: संविधान की पहली अनुसूची में, राज्यों और क्षेत्रों को निर्दिष्ट किया गया है।

Q42. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 9: भारतीय नागरिकता के साथ-साथ दूसरे देश की नागरिकता धारण करना निषिद्ध नहीं है।
2. अनुच्छेद 10: स्वेच्छा से किसी विदेशी राज्य की नागरिकता प्राप्त करने वाले व्यक्ति भारत के नागरिक नहीं बने रहेंगे।
3. अनुच्छेद 11: नागरिकता के अधिकार को कानून द्वारा विनियमित करने की भारतीय संसद की शक्ति।

उपर्युक्त में से कौन सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

- नागरिकता के संबंध में संवैधानिक प्रावधान इस प्रकार हैं:
- **युग्म 1 गलत है:** कोई भी व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं होगा या भारत का नागरिक नहीं माना जाएगा , यदि उसने स्वेच्छा से किसी विदेशी राज्य की नागरिकता हासिल कर ली है) अनुच्छेद 9)।
- **युग्म 2 गलत है:** प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है या माना जाता है ,संसद द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के प्रावधानों के अधीन ,ऐसा नागरिक बना रहेगा) अनुच्छेद 10)।
- **युग्म 3 सही है:** संसद के पास नागरिकता के अधिग्रहण और समाप्ति और) अनुच्छेद (11 से संबंधित अन्य सभी मामलों के संबंध में कोई भी प्रावधान करने की शक्ति होगी।

Q43. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. त्रिपुरा, मिजोरम, असम और मेघालय के आदिवासी क्षेत्र।
2. अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और नागालैंड के 'इनर लाइन परमिट' क्षेत्र।
3. भारत के संविधान की पांचवीं अनुसूची में "अनुसूचित क्षेत्र" के रूप में निर्दिष्ट क्षेत्र।

उपर्युक्त में से किसे 'नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019' के तहत बाहर रखा गया है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

- 2019 अधिनियम के अनुसार, एक विदेशी व्यक्ति 1955 अधिनियम के तहत ओसीआई के रूप में पंजीकरण कर सकता है यदि वे भारतीय मूल के हैं (उदाहरण के लिए, भारत के पूर्व नागरिक या उनके वंशज) या भारतीय मूल के व्यक्ति के पति या पत्नी हैं।
- नया अधिनियम ओसीआई कार्डधारकों को भारत की यात्रा करने और देश में काम करने और अध्ययन करने का अधिकार जैसे लाभों का भी अधिकार देता है।
- **कथन 1 सही है:** 2019 संशोधन अधिनियम त्रिपुरा, मिजोरम, असम और मेघालय के आदिवासी क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है क्योंकि वे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल हैं।
- **कथन 2 सही है:** जो क्षेत्र बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन, 1873 के तहत अधिसूचित "इनर लाइन परमिट" के अंतर्गत आते हैं, वे भी अधिनियम के दायरे से बाहर होंगे। यह लगभग पूरे अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और नागालैंड को अधिनियम के दायरे से बाहर रखता है।
- **कथन 3 गलत है:** भारत के संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों और अन्य स्वदेशी लोगों को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के तहत बाहर नहीं रखा गया है। उन्हें भारत का मूल निवासी माना जाता है। और उन्हें अवैध आप्रवासी नहीं माना जाता है।

Q44. 'नागरिकता के त्याग' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

भारत के युद्ध में शामिल होने की स्थिति में, नागरिकता त्याग का पंजीकरण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा जब तक कि केंद्र सरकार नए निर्देश जारी नहीं करती।

कथन II:

नागरिकता छोड़ने वाले व्यक्ति के नाबालिग बच्चे की नागरिकता अप्रभावित रहती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है

उत्तर: (c)

- **कथन 1 सही है:** पूर्ण आयु और क्षमता का एक भारतीय नागरिक इस आशय की घोषणा करके और इसे पंजीकृत करवाकर अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ सकता है। लेकिन अगर ऐसी घोषणा किसी युद्ध के दौरान की जाती है जिसमें भारत शामिल है, इसलिए पंजीकरण तब तक रोक दिया जाएगा जब तक कि केंद्र सरकार अन्यथा निर्देश न दे।
- **कथन 2 गलत है:** जब कोई पुरुष अपनी नागरिकता छोड़ देता है, तो उसका प्रत्येक नाबालिग बच्चा भारतीय नागरिक नहीं रह जाता है। हालाँकि, ऐसा बच्चा भारतीय नागरिकता फिर से शुरू कर सकता है यदि वह अपनी पूर्ण आयु, यानी 18 वर्ष प्राप्त करने के एक वर्ष के भीतर इस आशय की घोषणा करता है।

Q45. निम्नलिखित में से कौन सा भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के दायरे में एक 'राज्य' नहीं है?

- (a) राज्य विद्युत बोर्ड
- (b) सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत सोसायटी
- (c) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)
- (d) औद्योगिक वित्त निगम

उत्तर: c

- **विकल्प a सही है:** राजस्थान राज्य बिजली बोर्ड बनाम मोहनलाल मामले में, उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया कि एक प्रतिमा द्वारा स्थापित राज्य बिजली बोर्ड, जिसके पास कुछ वाणिज्यिक कार्य हैं, अनुच्छेद 12 के तहत एक प्राधिकरण होगा, जिस पर अदालत ने जोर दिया यह महत्वपूर्ण नहीं है कि संबंधित प्राधिकारी को प्रदत्त कुछ शक्तियाँ व्यावसायिक प्रकृति की हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अनुच्छेद 298 के तहत सरकार को व्यापार या वाणिज्य करने का अधिकार है।
- **विकल्प b सही है:** सुखदेव सिंह बनाम भगताराम में, उच्चतम न्यायालय ने बिजली बोर्ड राजस्थान मामले में निर्धारित परीक्षण के बाद 4:1 बहुमत से माना कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, जीवन बीमा निगम

और औद्योगिक वित्त निगम प्राधिकरण हैं संविधान के अनुच्छेद 12 का अर्थ है और इसलिए सभी तीन वैधानिक निगमों को स्थिति को विनियमित करने के लिए प्रतिमा के तहत विनियमन बनाने की शक्ति है।

- **विकल्प d सही है :** अजय हसिया बनाम खालिद मुजीब में, यह माना गया है कि सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1898 के तहत पंजीकृत एक समाज राज्य की एक एजेंसी या साधन है और इसलिए अनुच्छेद 12 के दायरे में एक राज्य है। इसकी संरचना सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा निर्धारित किया जाता है।
- **विकल्प c गलत है:** उच्चतम न्यायालय ने बहुमत के फैसले से यह माना कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई एक "राज्य" या प्राधिकरण 'नहीं' है। यह सिर्फ इसलिए माना गया क्योंकि यह एक गैर-सरकारी निकाय है कुछ सार्वजनिक कर्तव्य जो अनुच्छेद 12 के प्रयोजन के लिए ऐसे निकाय को राज्य बनाने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे।

Q46. 24वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1971 से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका उद्देश्य गोलक नाथ बनाम पंजाब राज्य में उच्चतम न्यायालय के फैसले को रद्द करना था।
2. इस अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 13 के अंतर्गत खण्ड (4) युग्म गया।
3. इसने मौलिक अधिकारों को संविधान में संशोधन के दायरे में ला दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: d

- **कथन 1 सही है:** गोलक नाथ बनाम पंजाब राज्य के मामले में, शीर्ष अदालत ने 6:5 के बहुमत से माना कि अनुच्छेद 13(2) में 'कानून' शब्द में संविधान का संशोधन शामिल है और परिणामस्वरूप, यदि कोई संशोधन भारत के संविधान के भाग III के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों को संक्षिप्त या छीन लेता है, तो संशोधन अधिनियम स्वयं शून्य और अधिकारातीत हो जाएगा।
- **कथन 2 सही है:** 24वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 13 में खंड (4) डाला गया था। इस खंड में प्रावधान है कि राज्य ऐसा कोई कानून नहीं बनाएगा जो अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 18, 19, 21 और 22 या उनमें से किसी द्वारा प्रदत्त अधिकारों को छीनता या कम करता हो। इस खंड का उद्देश्य मौलिक अधिकारों को सामान्य कानून द्वारा कमजोर होने से बचाना था।
- **कथन 3 सही है:** 24वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने मौलिक अधिकारों को संविधान में संशोधन के दायरे में ला दिया। इसका मतलब यह है कि संसद अब मौलिक अधिकारों से संबंधित प्रावधानों में संशोधन

कर सकती है, जिन पर पहले से रोक थी। इस संशोधन ने संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति में उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया।

Q47. भारतीय संविधान के तहत 'हड़ताल' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय न्यायपालिका ने हड़ताल के अधिकार को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है।
2. हड़ताल का अधिकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत नियंत्रित है।
3. सरकारी या निजी कर्मचारी हड़ताल कर सकते हैं लेकिन नियोक्ता को पूर्व सूचना देकर।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: c

- **कथन 1 सही है:** भारतीय न्यायपालिका ने हड़ताल के अधिकार को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है। इसका मतलब यह है कि हड़ताल करने का अधिकार संविधान में स्पष्ट रूप से निहित नहीं है, लेकिन अदालतों द्वारा इसे कानून द्वारा संरक्षित अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है।
- **कथन 2 सही है:** हड़ताल करने का अधिकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत नियंत्रित होता है। यह अधिनियम उन शर्तों को रेखांकित करता है जिनके तहत हड़ताल कानूनी है, साथ ही उन प्रक्रियाओं को भी रेखांकित करता है जिनका हड़ताल करने से पहले पालन किया जाना चाहिए।
- **कथन 3 गलत है:** जबकि निजी कर्मचारी हड़ताल बुला सकते हैं, सरकारी कर्मचारी आम तौर पर ऐसा नहीं कर सकते। इस नियम के कुछ अपवाद हैं, जैसे कि जब अनुबंध के उल्लंघन के जवाब में हड़ताल की जाती है। हालाँकि, सरकारी कर्मचारी आमतौर पर निजी कर्मचारियों की तुलना में हड़ताल के अधिकार पर अधिक प्रतिबंधों के अधीन होते हैं।

Q48. पारिवारिक न्यायालय अधिनियम, 1984 की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

1. यह राज्य सरकारों के लिए दस लाख से अधिक आबादी वाले प्रत्येक शहर या कस्बे में एक पारिवारिक न्यायालय स्थापित करना अनिवार्य बनाता है।
2. यह विशेष रूप से पारिवारिक न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में वैवाहिक राहत से संबंधित मामलों को प्रदान करता है।
3. यह अपील के केवल एक अधिकार का प्रावधान करता है जो उच्च न्यायालय में होगा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

पारिवारिक न्यायालय अधिनियम, 1984 की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

यह उच्च न्यायालयों के परामर्श से राज्य सरकारों द्वारा पारिवारिक न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान करता है।

कथन 1 सही है: यह राज्य सरकारों के लिए दस लाख से अधिक आबादी वाले प्रत्येक शहर या कस्बे में एक पारिवारिक न्यायालय स्थापित करना अनिवार्य बनाता है।

यह राज्य सरकारों को यदि आवश्यक समझे तो अन्य क्षेत्रों में भी पारिवारिक न्यायालय स्थापित करने में सक्षम बनाता है।

कथन 2 सही है: यह विशेष रूप से पारिवारिक न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में वैवाहिक राहत से संबंधित मामलों को प्रदान करता है, जिसमें विवाह की शून्यता, न्यायिक पृथक तलाक, वैवाहिक अधिकारों की बहाली, या विवाह की वैधता या वैवाहिक स्थिति के बारे में घोषणा शामिल है।

यह साक्ष्य और प्रक्रिया के नियमों को सरल बनाता है ताकि पारिवारिक न्यायालय किसी विवाद से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम हो सके।

कथन 3 सही है: यह अपील के केवल एक अधिकार का प्रावधान करता है जो उच्च न्यायालय में होगा।

Q49. निम्नलिखित में से कौन सा संवैधानिक संशोधन मौलिक कर्तव्यों से संबंधित है/हैं?

1. 42वाँ संशोधन
2. 44वाँ संशोधन
3. 48वाँ संशोधन
4. 86वाँ संशोधन

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1 और 4

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 2 और 4

उत्तर: (a)

बयालीसवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा भारतीय संविधान के भाग (IV A) में अनुच्छेद 51A को शामिल करके भारतीय नागरिकों के लिए 10 मौलिक कर्तव्य प्रदान किए गए।

86वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा इसमें एक मौलिक कर्तव्य जोड़ा गया, जिससे उनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई। 44वाँ संवैधानिक संशोधन और 48वाँ संवैधानिक संशोधन संविधान में कोई भी मौलिक कर्तव्य शामिल नहीं करता है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस समिति की स्थापना का अनुमान 1921 में स्थापित स्थायी वित्तीय समिति से लगाया जा सकता है।
2. स्वतंत्रता के बाद इस समिति का गठन जॉन मथाई की अनुशंसा पर किया गया था।
3. इस समिति के सभी तीस सदस्य लोकसभा से होते हैं।

उपरोक्त कथनों में निम्नलिखित में से किस समिति का उल्लेख किया गया है?

- (a) लोक लेखा समिति
- (b) प्राक्कलन समिति
- (c) आचार समिति
- (d) सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति

उत्तर: (b)

इस समिति की स्थापना का अनुमान 1921 में स्थापित स्थायी वित्तीय समिति से लगाया जा सकता है।

स्वतंत्रता के बाद के युग में पहली प्राक्कलन समिति का गठन 1950 में तत्कालीन वित्त मंत्री जॉन मथाई की सिफारिश पर किया गया था।

मूल रूप से इसमें 25 सदस्य थे लेकिन 1956 में इसकी सदस्यता बढ़ाकर 30 कर दी गई। सभी तीस सदस्य केवल लोकसभा से होते हैं। इस समिति में राज्यसभा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता है। अतः विकल्प (b) सही है।

Q51. भारत के लोगों के लिए उपलब्ध सूचना के अधिकार (RTI) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. RTI एक वैधानिक अधिकार है।
2. आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 (OSA) के तहत आने वाली जानकारी को आरटीआई के दायरे से बाहर रखा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर : (d)

- एक नागरिक को सार्वजनिक प्राधिकरण से ऐसी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है जो सार्वजनिक प्राधिकरण के पास है या जो उसके नियंत्रण में है। 2005 का आरटीआई अधिनियम एक ऐसा कानून है जो नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार देता है।
- कथन 1 गलत है: संविधान के अनुच्छेद 19(1) के तहत आरटीआई को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है। अनुच्छेद 19 (1) के तहत प्रत्येक नागरिक को बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और यह जानने का अधिकार है कि सरकार कैसे काम करती है, उसकी क्या भूमिका है, उसके कार्य क्या हैं, आदि।
- कथन 2 गलत है: सुप्रीम कोर्ट ने माना कि आरटीआई अधिनियम सूचना तक पहुंच को नियंत्रित करने वाला प्राथमिक कानून है और का उपयोग केवल उन सूचनाओं तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के लिए किया जा सकता है जो वास्तव में संवेदनशील हैं। इसके अलावा, आरटीआई अधिनियम की धारा 8(2) के तहत, एक सार्वजनिक प्राधिकरण ओएसए के तहत कवर की गई जानकारी तक पहुंच की अनुमति दे सकता है, “यदि प्रकटीकरण में सार्वजनिक हित संरक्षित हितों को होने वाले नुकसान से अधिक है”।

Q52. संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. UPSC के अध्यक्ष और सदस्य, भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन नियोजन के पात्र नहीं हैं।
2. यूपीएससी के अध्यक्ष और सदस्य, छह साल की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं।
3. यूपीएससी के सदस्यों का वेतन और भत्ता भारत की संचित निधि पर भारित होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

- **कथन 1 गलत है:** UPSC का अध्यक्ष पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होता है, लेकिन अन्य सदस्य UPSC या किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने के लिए पात्र हैं।
- **कथन 2 सही है:** UPSC के अध्यक्ष और सदस्य 6 साल की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं। वे अपना इस्तीफा भारत के राष्ट्रपति को संबोधित कर सकते हैं। साथ ही, उन्हें संविधान में निर्धारित तरीके से पद से हटाया जा सकता है।
- **कथन 3 सही है:** UPSC के सदस्यों का वेतन और भत्ता भारत की संचित निधि पर भारित होता है। ये संसद के मतदान के अधीन नहीं हैं।

Q53. वित्त आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आयोग द्वारा की गई सिफारिशें सरकार पर बाध्यकारी हैं।
2. आयोग अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपता है।
3. आयोग एक संवैधानिक निकाय है और इसका गठन राष्ट्रपति द्वारा पाँच वर्ष की अवधि के लिए किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

- **कथन 1 गलत है:** वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशें केवल प्रकृति में सलाहकार हैं और सरकार पर बाध्यकारी नहीं हैं।
- **कथन 2 सही है:** आयोग अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपता है और वह इसे संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखता है।
- **कथन 3 सही है:** वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है, जो संवैधानिक व्यवस्था और वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार केंद्र और राज्यों के बीच और राज्यों के बीच कर आय को वितरित करने की विधि और तरीके निर्धारित करता है। संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत, भारत के राष्ट्रपति को पांच साल या उससे पहले के अंतराल पर एक वित्त आयोग का गठन करना आवश्यक है।

Q54. वस्तु एवं सेवा कर परिषद के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वित्त सचिव परिषद का अध्यक्ष होता है।
2. परिषद की बैठक आयोजित करने के लिए आवश्यक कोरम कुल सदस्यों का 10% है।

3. केंद्रीय राजस्व सचिव परिषद के पदेन सचिव के रूप में कार्य करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर : (a)

2016 के 101वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के द्वारा संविधान में एक नया अनुच्छेद 279-A जोड़ा गया। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को जीएसटी परिषद गठित करने का अधिकार देता है।

- **कथन 1 गलत है:** केंद्रीय वित्त मंत्री जीएसटी परिषद का अध्यक्ष होता है ना कि वित्त सचिव।
- **कथन 2 गलत है:** परिषद की बैठक आयोजित करने के लिए आवश्यक कोरम कुल सदस्यों का आधा है।
- **कथन 3 सही है:** केंद्रीय राजस्व सचिव परिषद के पदेन सचिव के रूप में कार्य करता है।

Q55. उत्तर पूर्वी परिषद के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- 1. यह एक गैर-वैधानिक निकाय है।
- 2. यह गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है।
- 3. केंद्रीय गृह मंत्री परिषद का पदेन अध्यक्ष होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

उत्तर पूर्वी परिषद पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए नोडल एजेंसी है, जिसमें आठ राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं।

- **कथन 1 सही है:** यह उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम, 1971 के माध्यम से संसद द्वारा बनाया गया एक वैधानिक निकाय है।

- **कथन 2 गलत है:** यह उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत है।
- **कथन 3 सही है:** केंद्रीय गृह मंत्री उत्तर पूर्वी परिषद का पदेन अध्यक्ष होता हैं।

Q56. संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
2. लोकसभा सांसद उस राज्य के एक या अधिक जिलों में कार्यों की सिफारिश कर सकते हैं, जहां से वह चुना गया है।
3. सांसद ई-साक्षी एप्लिकेशन के माध्यम से योजना की परियोजनाओं को ट्रैक और देखरेख कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 गलत है:** संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLAD) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।
- **कथन 2 गलत है:** राज्यसभा सांसद उस राज्य के एक या अधिक जिलों में कार्यों की सिफारिश कर सकते हैं जहां से वह चुने गए हैं।
- **कथन 3 सही है:** MPLAD योजना के तहत संसद सदस्यों (सांसदों) के लिए ई-साक्षी मोबाइल एप्लिकेशन के बहुत लाभ हैं। इससे निर्वाचन क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं के साथ जुड़ने और प्रबंधन करने के तरीके में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेगा। मोबाइल ऐप सुविधा और पहुंच प्रदान करेगा, जिससे सांसदों को परियोजनाओं का प्रस्ताव देने, ट्रैक करने और निगरानी करने की अनुमति मिलेगी।

Q57. सामाजिक लेखापरीक्षा सलाहकार निकाय (SAAB) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत स्थापित किया गया है।
2. इसका उद्देश्य सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयों के सामाजिक न्याय सेल के सदस्यों की क्षमता निर्माण करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

- **कथन 1 गलत है:** सामाजिक लेखापरीक्षा सलाहकार निकाय की स्थापना सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (NISD) द्वारा की गई है।
- **कथन 2 सही है:** सामाजिक लेखापरीक्षा सलाहकार निकाय सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयों के सामाजिक न्याय सेल के सदस्यों की क्षमता निर्माण के लिए प्रयास करेगा।

Q58. निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. सलाहकार बोर्ड की राय प्राप्त किए बिना हिरासत की अवधि तीन महीने है।
2. हिरासत के आधार के बारे में हिरासत में लिए गए व्यक्ति को सूचित करने की आवश्यकता नहीं है।
3. हिरासत में लिए गए व्यक्ति को हिरासत आदेश के खिलाफ प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जाना चाहिए।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 22(2) के अनुसार 'निवारक हिरासत' के मामले में गिरफ्तार व्यक्तियों को उपर्युक्त में से कौन सा अधिकार उपलब्ध है?

- (a) 1 और 3
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 2
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: a

- अनुच्छेद 22 उन व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है जिन्हें निवारक निरोध कानून के तहत गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है। यह सुरक्षा नागरिकों और विदेशियों दोनों के लिए उपलब्ध है और इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
- **कथन 1 सही है:** लेख के खंड 4 में कहा गया है कि निवारक हिरासत के लिए बनाया गया कोई भी कानून किसी भी व्यक्ति को 3 महीने से अधिक समय तक हिरासत में रखने का अधिकार नहीं देता है जब तक कि; एक सलाहकार बोर्ड इस तरह की हिरासत के लिए पर्याप्त कारण बताता है। सलाहकार बोर्ड के लोग उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान ही योग्य होने चाहिए। रिपोर्ट उक्त 3 महीने की समाप्ति से पहले प्रस्तुत की जानी चाहिए।
- **कथन 2 गलत है:** लेख के खंड 5 में कहा गया है कि कोई भी प्राधिकारी, निवारक हिरासत प्रदान करने वाले कानून के तहत किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेते समय, जितनी जल्दी हो सके व्यक्ति को हिरासत के आधार के बारे में सूचित करेगा। हिरासत के आधार का उस उद्देश्य से तर्कसंगत संबंध होना चाहिए जिसे हासिल करने से हिरासत में लिए गए व्यक्ति को रोका जाता है। संचार में जमीनी स्तर से संबंधित सभी भौतिक तथ्य उपलब्ध होने चाहिए और केवल तथ्यों का बयान नहीं होना चाहिए।

- **कथन 3 सही है:** लेख के खंड 5 में यह भी कहा गया है कि व्यक्ति को प्रतिनिधित्व के अधिकार को सक्षम करने के लिए हिरासत के आधार को जल्द से जल्द सूचित किया जाना चाहिए। हिरासत आदेश प्रदान करने वाला प्राधिकारी उस व्यक्ति को आदेश के विरुद्ध अभ्यावेदन करने का यथाशीघ्र अवसर देगा।

Q59. एक भारतीय नागरिक के मौलिक कर्तव्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए ?

1. वे राष्ट्रविरोधी और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं।
2. वे किसी कानून की संवैधानिक वैधता की जांच और निर्धारण में न्यायालयों की सहायता करते हैं।
3. वे नागरिकों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।
4. वे कानून द्वारा लागू करने योग्य हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (d)

मौलिक कर्तव्यों को निम्नलिखित दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जाता है:

- **कथन 1 सही है:** वे राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक गतिविधियों जैसे राष्ट्रीय ध्वज को जलाना, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करना आदि के खिलाफ चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं।
- **कथन 2 सही है:** वे किसी कानून की संवैधानिक वैधता की जांच और निर्धारण में न्यायालयों की सहायता करते हैं। मोहन कुमार सिंघानिया मामले (1991) में, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि अनुच्छेद 51ए (मौलिक कर्तव्य) का उपयोग उनकी संवैधानिकता निर्धारित करने के लिए अस्पष्ट कानूनों की व्याख्या करने के लिए किया जा सकता है।
- **कथन 3 सही है:** वे नागरिकों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य करते हैं और उनके बीच अनुशासन और प्रतिबद्धता की भावना को बढ़ावा देते हैं। वे यह भावना पैदा करते हैं कि नागरिक केवल दर्शक नहीं हैं बल्कि राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भागीदार हैं।
- **कथन 4 सही है:** वे कानून द्वारा लागू करने योग्य हैं। इसलिए, संसद उनमें से किसी को पूरा करने में विफलता के लिए उचित जुर्माना या सजा लगाने का प्रावधान कर सकती है। राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 जैसे कई कानून राष्ट्रीय का अपमान करते हैं एक दंडनीय कृत्य का प्रतीक है।

Q60. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रपति के महाभियोग का आरोप, आरोप तय करने वाले दो-तिहाई सदस्यों द्वारा सौंपा जाना चाहिए।

2. महाभियोग संसद में एक अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया है।

उपयुक्त दिए गए कथनों में कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

- कथन 1 सही है: राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद के किसी भी सदन द्वारा शुरू किया जा सकता है। इन आरोपों पर सदन के एक-चौथाई सदस्यों (जिन्होंने आरोप तय किए) के हस्ताक्षर होने चाहिए और राष्ट्रपति को 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। महाभियोग प्रस्ताव उस सदन की कुल सदस्यता के दो-तिहाई बहुमत से पारित होने के बाद इसे दूसरे सदन में भेजा जाता है।
- कथन 2 सही है: महाभियोग अर्ध-न्यायिक प्रकृति को दर्शाता है क्योंकि यह विधायी और न्यायिक प्रकृति दोनों को दर्शाता है।

Q61. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी भी संविधान-पूर्व संधि से उत्पन्न विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई सलाह राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी है।
2. यदि कानून या सार्वजनिक महत्व के तथ्य का कोई प्रश्न उठता है तो सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को अपनी राय देने से इनकार कर सकता है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

- कथन 1 गलत है: संविधान-पूर्व संधि से उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद के दौरान, सर्वोच्च न्यायालय को अपनी राय राष्ट्रपति को सौंपनी होगी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सलाह है,

न्यायिक घोषणा नहीं। इसलिए, यह राष्ट्रपति पर बाध्यकारी नहीं है; वह राय का पालन कर सकता है या नहीं भी कर सकता है।

- **कथन 2 सही है:** सार्वजनिक महत्व के कानून या तथ्य के किसी भी प्रश्न पर जो उत्पन्न हुआ है या जिसके उठने की संभावना है, सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को अपनी राय देने से इनकार कर सकता है या देने से इनकार कर सकता है।

Q62. "अध्यादेश" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे तब प्रख्यापित किया जा सकता है जब कोई भी सदन सत्र में नहीं हो।
2. राष्ट्रपति की संतुष्टि अंतिम और न्यायिक समीक्षा से परे है।
3. संसद की पुनः बैठक के तीन सप्ताह की समाप्ति पर इसका संचालन बंद हो जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) तीनों
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 सही है:** संविधान का अनुच्छेद 123 राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने का अधिकार देता है। एक अध्यादेश तब भी जारी किया जा सकता है जब केवल एक सदन का सत्र चल रहा हो क्योंकि कोई भी कानून दोनों सदनों द्वारा पारित किया जा सकता है न कि अकेले एक सदन द्वारा।
- **कथन 2 गलत है:** कूपर मामले (1970) में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि राष्ट्रपति की संतुष्टि पर दुर्भावना के आधार पर अदालत में सवाल उठाया जा सकता है। 1975 के 38वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रपति की संतुष्टि को अंतिम और निर्णायक और न्यायिक समीक्षा से परे बना दिया। लेकिन, इस प्रावधान को 1978 के 44वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा हटा दिया गया था। इस प्रकार, दुर्भावना के आधार पर राष्ट्रपति की संतुष्टि उचित है।
- **कथन 3 गलत है:** यदि अध्यादेश को दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो यह एक अधिनियम बन जाता है। यदि संसद कोई कार्रवाई नहीं करती है तो अध्यादेश संसद की पुनः बैठक के छह सप्ताह की समाप्ति पर लागू होना बंद हो जाता है। यदि संसद के दोनों सदन इसे अस्वीकार करने का प्रस्ताव पारित कर देते हैं, तो अध्यादेश निर्धारित छह सप्ताह से पहले भी लागू नहीं हो सकता है।

Q63. न्यायिक समीक्षा" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के कार्यकारी आदेशों की संवैधानिकता की जांच करने की न्यायपालिका की शक्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
2. उच्चतम न्यायालय ने अब तक न्यायिक समीक्षा की शक्ति को संविधान की आधारभूत संरचना घोषित नहीं किया है।
3. संविधान की सर्वोच्चता के सिद्धांत को कायम रखने के लिए न्यायिक समीक्षा की आवश्यकता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

- **कथन 1 सही है:** न्यायिक समीक्षा केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के विधायी अधिनियमों और कार्यकारी आदेशों की संवैधानिकता की जांच करने की न्यायपालिका की शक्ति है।
- **कथन 2 गलत है:** इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण केस 1975 में, सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति को संविधान की मूल संरचना का एक तत्व घोषित किया है।
- **कथन 3 सही है:** संविधान की सर्वोच्चता के सिद्धांत को बनाए रखने, संघीय संतुलन बनाए रखने, नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक समीक्षा की आवश्यकता है।

Q64. परिसीमन आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 5 बार आयोगों का गठन किया जा चुका है।
2. आयोग के आदेशों पर किसी भी न्यायालय के समक्ष प्रश्न नहीं उठाया जा सकता।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

- **कथन 1 गलत है:** परिसीमन आयोग का गठन 4 बार किया गया है - 1952 में परिसीमन आयोग अधिनियम, 1952 के तहत, 1963 में परिसीमन आयोग अधिनियम, 1962 के तहत, 1973 में परिसीमन अधिनियम, 1972 के तहत और 2002 में परिसीमन अधिनियम, 2002 के तहत।
- **कथन 2 सही है :** भारत में परिसीमन आयोग एक उच्च-शक्ति निकाय है जिसके आदेशों में कानून का बल है और किसी भी अदालत के समक्ष उस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है।

Q65. भारत के संविधान के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा/से राज्य विधानमंडल की सदस्यता की अयोग्यता का आधार है/हैं:

1. वह एक अनुन्मोचित दिवालिया है।
2. उसे सरकारी ठेकों, कार्यों या सेवाओं में कोई रुचि नहीं होनी चाहिए।
3. उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में सरकारी सेवा से बर्खास्त नहीं किया गया होगा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने गलत है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) 1, 2, 3
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- संविधान के तहत, किसी व्यक्ति को किसी राज्य की विधान सभा या विधान परिषद का सदस्य चुने जाने और सदस्य होने के लिए होगा :
- यदि वह केंद्र या राज्य सरकार के तहत लाभ का कोई पद धारण करता है (किसी मंत्री या राज्य विधायिका द्वारा छूट प्राप्त किसी अन्य पद को छोड़कर)।
- यदि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है और अदालत द्वारा ऐसा घोषित किया गया है।
- यदि वह अनुन्मोचित दिवालिया है।
- यदि वह भारत का नागरिक नहीं है या उसने स्वेच्छा से किसी विदेशी राज्य की नागरिकता हासिल कर ली है या किसी विदेशी राज्य के प्रति निष्ठा की स्वीकृति के अधीन है।
- यदि वह संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून के तहत अयोग्य है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q66. जनहित याचिका (PIL) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के संविधान ने जनहित याचिका को सार्वजनिक हित को लागू करने के लिए अदालत में शुरू की गई कानूनी कार्यवाही के रूप में परिभाषित किया है।
2. सेवा मामले और पेंशन और ग्रेच्युटी से संबंधित मामलों पर जनहित याचिका के रूप में विचार किया जा सकता है।

3. न्यायालय को यह सुनिश्चित करता है कि जनहित याचिका दायर करने के पीछे कोई व्यक्तिगत लाभ, निजी मकसद या परोक्ष उद्देश्य नहीं है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) तीनों
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 गलत है:** सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका को “सार्वजनिक हित या सामान्य हित को लागू करने के लिए अदालत में शुरू की गई एक कानूनी कार्रवाई के रूप में परिभाषित किया है जिसमें जनता या समुदाय के एक वर्ग का आर्थिक हित या कुछ हित होता है। उनके कानूनी अधिकार या दायित्व प्रभावित होते हैं।”
- **कथन 2 गलत है:** निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले मामलों पर जनहित याचिका के रूप में विचार नहीं किया जाएगा:
 - मकान मालिक-किरायेदार मामले रखता है
 - सेवा मामले और पेंशन और ग्रेजुटी से संबंधित मामले
 - चिकित्सा एवं अन्य शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश
- **कथन 3 सही है:** जनहित याचिका पर विचार करने से पहले न्यायालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जनहित याचिका का उद्देश्य वास्तविक सार्वजनिक क्षति और सार्वजनिक चोट का निवारण करना है। न्यायालय को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जनहित याचिका दायर करने के पीछे कोई व्यक्तिगत लाभ, निजी मकसद या परोक्ष उद्देश्य नहीं है।

Q67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है।
2. संविधान उच्च न्यायालय की शक्ति निर्दिष्ट नहीं करता है और इसे संसद के विवेक पर छोड़ देता है।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

- **कथन 1 गलत है:** उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल के परामर्श के बाद राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- **कथन 2 गलत है:** प्रत्येक उच्च न्यायालय (चाहे विशिष्ट या सामान्य) में एक मुख्य न्यायाधीश और ऐसे अन्य न्यायाधीश होते हैं जिन्हें राष्ट्रपति समय-समय पर नियुक्त करना आवश्यक समझता है। इस प्रकार, संविधान उच्च न्यायालय की शक्ति निर्दिष्ट नहीं करता है और इसे राष्ट्रपति के विवेक पर छोड़ देता है।

Q68. राष्ट्रपति के वीटो पावर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. एक संवैधानिक संशोधन को केवल अनुमोदित किया जा सकता है।
2. साधारण विधेयक के संबंध में राष्ट्रपति के पास धन विधेयक की तुलना में अधिक वीटो शक्ति होती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

- **कथन 1 सही है:** जब कोई संवैधानिक संशोधन विधेयक राष्ट्रपति के पास प्रस्तुत किया जाता है तो वह केवल विधेयक की पुष्टि कर सकता है और विधेयक को अस्वीकार या वापस नहीं कर सकता है।
- **कथन 2 सही है:** जब एक साधारण विधेयक राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो वह या तो विधेयक पर अपनी सहमति दे सकता है या विधेयक पर अपनी सहमति रोक सकता है और वह विधेयक को सदनों के पुनर्विचार के लिए वापस कर सकता है और जब कोई धन विधेयक राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है तो वह विधेयक को सदन में पुनर्विचार के लिए वापस कर सकता है, वह या तो विधेयक पर अपनी सहमति दे सकता है या विधेयक पर अपनी सहमति रोक सकता है, लेकिन सदन को पुनर्विचार के लिए विधेयक को वापस नहीं कर सकता है।

Q69. मुक्त संचलन व्यवस्था समझौते (एफएमआरए) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे एक्ट ईस्ट पॉलिसी के एक भाग के रूप में लागू किया गया था।

2. यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक आपसी समझौता है।
3. यह समझौता सीमा के दोनों ओर रहने वाली जनजातियों को बिना वीज़ा के दूसरे देश की यात्रा करने की अनुमति देता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

- **कथन 1 सही है:** मुक्त संचलन व्यवस्था समझौते को 2018 में सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के हिस्से के रूप में लागू किया गया था जब भारत और म्यांमार के बीच राजनयिक संबंध प्रगाढ़ हो रहे थे।
- **कथन 2 गलत है:** एफएमआरए भारत और म्यांमार के बीच एक पारस्परिक रूप से सहमत व्यवस्था है।
- **कथन 3 सही है:** यह समझौता सीमा के दोनों ओर रहने वाली जनजातियों को बिना वीज़ा के दूसरे देश के अंदर 16 किमी तक यात्रा करने की अनुमति देता है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की कि केंद्र ने लोगों की मुक्त आवाजाही को रोकने के लिए भारत-म्यांमार सीमा की पूरी लंबाई में बाड़ लगाने का फैसला किया है।

Q70. बहु-राज्य सहकारी सोसायटी (संशोधन) अधिनियम 2023 के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अधिनियम सभी बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए समवर्ती ऑडिट को आवश्यक बनाता है।
2. सहकारी चुनाव प्राधिकरण एकल-राज्य सहकारी समितियों में भी चुनावों की देखरेख करता है।
3. इन सोसाइटियों का प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण मुख्य रूप से राज्य सरकार के अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (d)

- **कथन 1 गलत:** अधिनियम केवल पर्याप्त वित्तीय कारोबार वाली बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए समवर्ती ऑडिट को अनिवार्य करता है।
- **कथन 2 गलत:** सहकारी चुनाव प्राधिकरण की स्थापना केवल बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए की गई है, एकल-राज्य सहकारी समितियों के लिए नहीं।
- **कथन 3 गलत है:** राज्य सरकार के हस्तक्षेप से बचने के लिए, जैसा कि कानून द्वारा उल्लिखित है, MSCS का प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण मुख्य रूप से केंद्रीय रजिस्ट्रार के पास रहता है।

Q71. न्यायपालिका की भाषा के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा में दिए गए किसी भी निर्णय या आदेश के साथ इसका अंग्रेजी अनुवाद अवश्य होना चाहिए।
2. राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से उच्च न्यायालयों में हिंदी का उपयोग, अंग्रेजी अनुवाद की आवश्यकता को समाप्त कर देता है।
3. न्यायपालिका की कार्यवाही में अंग्रेजी के अलावा हिंदी या राज्य की आधिकारिक भाषा के उपयोग के लिए राज्यपाल की सहमति आवश्यक है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

- **कथन 1 सही है:** प्रावधानों के अनुसार, अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा में सुनाये गए किसी भी निर्णय या आदेश के साथ अंग्रेजी अनुवाद होना चाहिए।
- **कथन 2 सही है:** उच्च न्यायालयों में हिंदी का उपयोग, यहां तक कि राष्ट्रपति की सहमति के साथ, अंग्रेजी अनुवाद की आवश्यकता को खत्म कर देता है। हालाँकि, यह अंग्रेजी अनुवाद की आवश्यकता को समाप्त नहीं करता है।
- **कथन 3 सही है:** संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, न्यायालयी कार्यवाही में अंग्रेजी के अलावा हिंदी या राज्य

Q72. भारत में सिविल सेवकों की सुरक्षा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 केवल केंद्र सरकार को इन सेवाओं से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करता है।

2. संविधान राष्ट्रपति को बिना कोई विशेष कारण बताए सिविल सेवकों को बर्खास्त करने या हटाने का अधिकार देता है।
3. राज्य सेवाओं को विशेष रूप से चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: श्रेणी I, श्रेणी II, श्रेणी III और श्रेणी IV।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 सही:** यह अधिनियम अखिल भारतीय सेवा अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार को अधिकृत करता है।
- **कथन 2 ग़लत है:** अनुच्छेद 310 विशिष्ट शर्तों के साथ राष्ट्रपति या राज्यपाल की इच्छा पर बर्खास्तगी या हटाने का प्रावधान करता है।
- **कथन 3 ग़लत है:** राज्य सेवाओं का वर्गीकरण चार विशिष्ट श्रेणियों में नहीं किया गया है, उनका वर्गीकरण व्यापक दायरे को शामिल करता है।
- अनुच्छेद 310 के तहत राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत कार्यालय: इस अनुच्छेद के अनुसार रक्षा सेवाओं, केंद्र की सिविल सेवाओं और अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों के साथ-साथ केंद्र के अधीन सैन्य या नागरिक पदों पर रहने वाले लोग, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करते हैं।
- अनुच्छेद 311 प्रसादपर्यंत पर दो सीमाएं लगाता है: यह दो सुरक्षा उपाय प्रदान करके सिविल सेवकों को मनमाने ढंग से बर्खास्तगी से बचाता है।
- सूचित आरोप: एक सिविल सेवक को तब तक बर्खास्त नहीं किया जा सकता, हटाया नहीं जा सकता, या रैंक में कमी नहीं की जा सकती जब तक कि उसे उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों के बारे में सूचित न किया गया हो।

Q73. किसी राजनीतिक दल के मानदंड के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एक राजनीतिक दल राष्ट्रीय दल के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकता है, यदि उसके उम्मीदवारों को नवीनतम लोकसभा या विधानसभा चुनावों के दौरान कम से कम 4 राज्यों में कुल वैध वोटों का कम से कम 6% वोट मिले और पिछले लोकसभा चुनावों में पार्टी के पास कम से कम 4 सांसद हों। उसे भारत में एक राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता दी जाएगी।
2. किसी दल को राज्यस्तरीय दल घोषित किया जा सकता है, यदि वह संबंधित राज्य की विधानसभा के आम चुनाव में विधानसभा में 3% सीटें या विधानसभा में 3 सीटें (जो भी अधिक हो) जीतती है।

3. मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल को 5 वर्ष की अवधि के लिए पूरे देश में उपयोग के लिए विशेष रूप से आरक्षित एक प्रतीक चिन्ह आवंटित किया जाता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

- **कथन 1 सही है:** यह कई राज्यों में न्यूनतम प्रतिशत मत हासिल करने से संबंधित शर्तों में से एक को रेखांकित करता है, लेकिन इसमें कम से कम 4 सांसद होने की शर्त का भी उल्लेख किया गया है, जो कि समान मानदंड का हिस्सा नहीं है।
- **कथन 2 सही है:** किसी दल के लिए राज्य स्तरीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए, संबंधित राज्य विधानसभा के आम चुनाव में विधानसभा में 3% सीटें जीतती है या विधानसभा में 3 सीटें जीतने का प्रावधान है।
- **कथन 3 गलत है:** प्रत्येक राष्ट्रीय पार्टी को पूरे देश में उसके उपयोग के लिए विशेष रूप से आरक्षित एक प्रतीक आवंटित किया जाता है। और ऐसी कोई समय अवधि नहीं है। यह चुनाव चिन्ह उस पार्टी के लिए उन राज्यों में भी आरक्षित होता है जहां वह चुनाव नहीं लड़ रही होती है।

राज्य स्तरीय दल के रूप में मान्यता के लिए शर्तें:

राज्य विधानसभा के पिछले आम चुनावों में: कुल वैध मतों का कम से कम 6% प्राप्त करना + राज्य विधान सभा में कम से कम 2 सीटें जीतना

राज्य से लोकसभा के पिछले आम चुनाव में: राज्य में डाले गए कुल वैध मतों का कम से कम 6% प्राप्त करना + राज्य से लोकसभा चुनाव में कम से कम 1 सीट जीतना।

राज्य विधान सभा के लिए पिछले आम चुनाव में: दल विधानसभा की कम से कम 3% सीटें जीतती है (आधे से अधिक कोई भी अंश एक के रूप में गिना जाता है) या 3 सीटें, जो भी अधिक हो।

राज्य से लोकसभा के पिछले आम चुनाव में: लोकसभा चुनाव में राज्य से प्रत्येक 25 सीटों में से कम से कम 1 सीट जीती हुई हो।

न्यूनतम वोट आवश्यक: राजनीतिक दल राज्य में डाले गए कुल वैध वोटों में से कम से कम 8% वोट हासिल किये हो।

राष्ट्रीय स्तरीय दल के रूप में मान्यता के लिए शर्तें:

आवश्यक न्यूनतम वोट/सीटें: किसी विधानसभा या लोकसभा आम चुनाव में वैध मत का कम से कम 6% प्राप्त करता है।

राज्यों या सीटों की संख्या: कोई भी 4 या अधिक राज्य और लोकसभा चुनाव में कम से कम 4 सीटें जीती है।

किसी भी राज्य या राज्यों से चुनाव: कुल लोकसभा सीटों में से कम से कम 2% जीतें और ये सीटें 3 अलग-अलग राज्यों से जीती जानी चाहिए।

कई राज्यों में मान्यता: पार्टी को कम से कम 4 राज्यों में स्तरीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त है। उदाहरण: राष्ट्रीय स्तरीय दल की सूची में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस शामिल किया गया है।

Q74. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विधानसभा क्षेत्रों के लिए खर्च की सीमा 20 लाख रुपये- 28 लाख रुपये से बढ़ाकर 28 लाख रुपये - 40 लाख रुपये कर दी गई।
2. 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने लिली थॉमस केस में अयोग्यता के लिए भ्रष्ट आचरण का मामला प्रस्तुत करने के लिए तीन महीने की समय सीमा अनिवार्य कर दी।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

- **कथन 1 सही है:** विधानसभा क्षेत्रों के लिए खर्च की सीमा 20 लाख - 28 लाख रुपये, से बढ़ाकर 28 लाख - 40 लाख रुपये कर दी गई है।
- **कथन 2 गलत है:** लिली थॉमस मामले (2013) में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया कि, दोषी सांसदों और विधायकों को तीन महीने की छूट अवधि के बिना तुरंत अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा, जो पहले मामला था।

Q75. भारत में दबाव समूहों के प्रकारों पर विचार कीजिये:

1. सहयोगी हित समूहों में राजनीतिक दल और विधायिकाएं शामिल हैं।

2. संस्थागत हित समूहों में पेशेवर रूप से नियोजित व्यक्ति शामिल होते हैं और ये सरकारी मशीनरी का हिस्सा नहीं होते हैं।
3. गैर-सहयोगी हित समूह रिश्तेदारी और वंश संरचनाओं के आधार पर हितों को स्पष्ट करते हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 गलत है:** ट्रेड यूनियनों या व्यापारिक संगठनों जैसे सहयोगी हित समूह, राजनीतिक दलों और विधायिकाओं से भिन्न होते हैं, जो राजनीतिक व्यवस्था के भीतर विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं।
- **कथन 2 गलत है:** संस्थागत हित समूह औपचारिक रूप से संगठित समूह होते हैं जिनमें अक्सर पेशेवर रूप से नियोजित व्यक्ति शामिल होते हैं और सरकारी मशीनरी का हिस्सा हो सकते हैं।
- **कथन 3 सही है:** गैर-सहयोगी हित समूह रिश्तेदारी, वंश, जातीयता, क्षेत्रीय संबद्धता या वर्ग संरचनाओं के आधार पर हितों को स्पष्ट करते हैं।

Q76. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम(आरपीए), 1951 के अनुसार मतदान के अधिकार से संबंधित, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आरपीए, 1951 यह सुनिश्चित करता है कि उस निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में प्रत्येक व्यक्ति वोट देने का हकदार है।
2. यदि कोई व्यक्ति कारावास की सजा के तहत जेल में बंद है, तो वह मतदान के लिए पात्र है।
3. अधिनियम निवारक हिरासत के तहत व्यक्तियों को वोट देने के अधिकार का प्रयोग करने से प्रतिबंधित करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 सही है:** संविधान के अनुच्छेद 326 और आरपीए 1951, की धारा 62 यह सुनिश्चित करती है कि मतदाता सूची में पंजीकृत प्रत्येक मतदाता को मत देने का अधिकार है।
- **कथन 2 गलत है:** कारावास की सजा के तहत जेल में बंद व्यक्ति मतदान के लिए पात्र नहीं हैं।
- **कथन 3 गलत है:** अधिनियम निवारक हिरासत के तहत व्यक्तियों को मतदान करने की अनुमति देता है।

Q77. भारत में राजनीतिक दलों के लिए चुनावी बांड की पात्रता मानदंड के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पिछले आम चुनावों में 2% से अधिक वोट हासिल करने वाली पार्टियाँ ही केवल चुनावी बांड प्राप्त करने के लिए पात्र हैं।
2. पिछले आम चुनावों में कम से कम 1% वोट हासिल करने वाली क्षेत्रीय पार्टियाँ चुनावी बांड प्राप्त करने के लिए पात्र हैं।
3. चुनावी बांड प्राप्त करने के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए पार्टियों को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत पंजीकृत होना चाहिए।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

- चुनावी बॉण्ड एक वचन पत्र की प्रकृति में एक मोबाइल इंस्ट्रूमेंट और एक ब्याज मुक्त बैंकिंग इंस्ट्रूमेंट है। भारत का नागरिक या भारत में निगमित कोई निकाय बॉण्ड खरीदने के लिए पात्र होता है।
- **कथन 1 गलत है:** पात्रता की सीमा मतदान का 1% है, 2% नहीं।
- **कथन 2 सही है:** पिछले आम चुनावों में कम से कम 1% वोट हासिल करने वाली क्षेत्रीय पार्टियाँ चुनावी बॉण्ड प्राप्त करने के लिए पात्र हैं।
- **कथन 3 सही है:** राजनीतिक दलों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत होना चाहिए।

Q78. प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के सन्दर्भ में निम्नलिखितकथनों पर विचार कीजिये:

1. ईडी की स्थापना गृह मंत्रालय के तहत की गई थी।
2. ईडी निदेशक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

3. ईडी के पास धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत उल्लंघनों के खिलाफ तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी की कार्रवाई करने का अधिकार है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

- **कथन 1 गलत है:** प्रवर्तन निदेशालय की स्थापना 1956 में आर्थिक मामलों के विभाग के तहत 'प्रवर्तन इकाई' के रूप में की गई थी। 1960 में, निदेशालय का प्रशासनिक नियंत्रण आर्थिक मामलों के विभाग से राजस्व विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया था।
- **कथन 2 गलत है:** ईडी निदेशक की नियुक्ति केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की अध्यक्षता वाली एक समिति के साथ-साथ कई अन्य सदस्यों द्वारा की जाती है।
- **कथन 3 सही है:** ईडी के पास धन शोधन निवारण अधिनियम और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन, भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी की कार्रवाई करने की शक्तियां हैं। लेकिन यह एकमात्र प्राधिकारी नहीं है, क्योंकि इसमें विभिन्न प्रावधान और एजेंसियां शामिल हो सकती हैं।

Q79. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक संवैधानिक संस्था है।
2. आयोग का अध्यक्ष 5 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, पद पर रहता है।
3. मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप के मामले में आयोग किसी लोक सेवक के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर जांच कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

कथन 1 ग़लत है: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक वैधानिक निकाय है, जिसका गठन 1993 में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अधिनियमन के तहत किया गया था। यह एक संवैधानिक निकाय नहीं है।

कथन 2 ग़लत है: अध्यक्ष और सदस्य 3 साल की अवधि के लिए या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं।

कथन 3 सही है: आयोग किसी लोक सेवक द्वारा मानवाधिकारों के किसी भी उल्लंघन की स्वतः जाँच कर सकता है। साथ ही, किसी न्यायालय के आदेश या उसके समक्ष प्रस्तुत याचिका पर भी जाँच की जा सकती है।

Q80. केंद्रीय सूचना आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक संवैधानिक संस्था है।
2. आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त और 5 से अधिक सूचना आयुक्त नहीं होते हैं।
3. आयोग के सदस्य 5 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) कोई नहीं

उत्तर : (d)

- **कथन 1 ग़लत है:** केंद्रीय सूचना आयोग की स्थापना केंद्र सरकार द्वारा 2005 में की गई थी। इसका गठन सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत किया गया था। यह एक संवैधानिक निकाय नहीं है।
- **कथन 2 ग़लत है:** केंद्रीय सूचना आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त और दस से अधिक सूचना आयुक्त नहीं होते हैं।
- **कथन 3 ग़लत है:** मुख्य सूचना आयुक्त और अन्य सूचना आयुक्त केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं।

Q81. केंद्रीय सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त और अन्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिशों पर की जाती है। समिति में शामिल हैं:

1. प्रधानमंत्री
2. विपक्ष के नेता लोकसभा
3. लोकसभा अध्यक्ष
4. भारत के मुख्य न्यायाधीश

5. राज्यसभा के सभापति

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 2, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर : (a)

केंद्रीय सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त और अन्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिशों पर की जाती है। समिति में अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधान मंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं। अतः विकल्प (a) सही है।

Q82. वित्त आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- 1. यह एक अर्ध-न्यायिक निकाय है।
- 2. उच्च न्यायालय का न्यायाधीश वित्त आयोग का सदस्य बन सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: भारत के संविधान का अनुच्छेद 280 एक अर्ध-न्यायिक निकाय के रूप में एक वित्त आयोग के गठन का प्रावधान करता है।

कथन 2 सही है: अध्यक्ष सार्वजनिक मामलों में अनुभव रखने वाला व्यक्ति होना चाहिए और चार अन्य सदस्यों को निम्नलिखित में से चुना जाना चाहिए:

उच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश या नियुक्त होने के योग्य कोई न्यायाधीश।

ऐसा व्यक्ति जिसे सरकार के वित्त और खर्चों का विशेष ज्ञान हो।

ऐसा व्यक्ति जिसके पास वित्तीय मामलों और प्रशासन में व्यापक अनुभव हो।

ऐसा व्यक्ति जिसे अर्थशास्त्र का विशेष ज्ञान हो।

Q83. हाल ही में, भारत सरकार ने फ़ारसी को शास्त्रीय भाषाओं में से एक के रूप में नामित किया है, इस संबंध में निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. 1500-2000 वर्षों की अवधि में इसके प्रारंभिक ग्रंथों/अभिलेखित इतिहास की उच्च प्राचीनता।
2. प्राचीन साहित्य/ग्रंथों का एक संग्रह, जिसे वक्ताओं की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माना जाता है।
3. साहित्यिक परंपरा मौलिक हो और किसी अन्य भाषण समुदाय से उधार न ली गई हो।

शास्त्रीय भाषा घोषित करने के लिए उपरोक्त में से कौन सा/से मानदंड है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

- किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा घोषित करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदंड निम्न इस हैं: -
- 1500-2000 वर्षों की अवधि में इसके प्रारंभिक ग्रंथों/अभिलेखित इतिहास की उच्च प्राचीनता।
- प्राचीन साहित्य/ग्रंथों का एक संग्रह, जिसे वक्ताओं की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माना जाता है।
- साहित्यिक परंपरा मौलिक होनी चाहिए और किसी अन्य भाषण समुदाय से उधार नहीं ली जानी चाहिए।
- शास्त्रीय भाषा और साहित्य आधुनिक से भिन्न होने के कारण, शास्त्रीय भाषा और उसके बाद के रूपों या उसकी शाखाओं के बीच एक असंतोष भी हो सकता है। अतः विकल्प (d) सही है।

Q84. उच्च न्यायालय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वर्तमान में मौजूद सभी उच्च न्यायालय भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1861 के प्रावधानों के तहत स्थापित किए गए थे।
2. उच्च न्यायालय के रिट क्षेत्राधिकार को बुनियादी संरचना सिद्धांत के सिद्धांत से बाहर रखा गया।
3. अनुच्छेद 220 के तहत, राष्ट्रपति न्यायाधीश को एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर सकता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (d)

- **कथन 1 गलत है:** सभी नहीं, केवल तीन उच्च न्यायालय भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1861 के प्रावधानों के तहत स्थापित किए गए थे। उच्च न्यायालय की संस्था भारत में 1862 में उत्पन्न हुई जब कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास में उच्च न्यायालय स्थापित किए गए थे।
- **कथन 2 गलत है:** चंद्र कुमार केस (1997) में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट दोनों का रिट क्षेत्राधिकार संविधान की मूल संरचना का एक हिस्सा है। इसलिए, इसे संविधान में संशोधन के माध्यम से भी बाहर या बाहर नहीं किया जा सकता है।
- **कथन 3 गलत है:** संविधान का अनुच्छेद 222 एक न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित) को एक उच्च न्यायालय से किसी अन्य उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का प्रावधान करता है। किसी न्यायाधीश के स्थानांतरण के प्रस्ताव की शुरुआत भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जानी चाहिए जिसकी इस संबंध में राय निर्णायक हो।

Q85. “ग्राम न्यायालय” के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 में दिए गए साक्ष्य के नियमों से बंधे होंगे।
2. यह एक मोबाइल अदालत होगी और आपराधिक और दीवानी अदालतों दोनों की शक्तियों का प्रयोग करेगी।
3. पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के परामर्श से की जायेगी।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल 2 और 3
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

- **कथन 1 गलत है:** ग्राम न्यायालय भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 में प्रदान किए गए साक्ष्य के नियमों से बाध्य नहीं होगा, बल्कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होगा और उच्च न्यायालय द्वारा बनाए गए किसी भी नियम के अधीन होगा।
- **कथन 2 सही है:** ग्राम न्यायालय एक मोबाइल कोर्ट होगा और आपराधिक और सिविल न्यायालयों दोनों की शक्तियों का प्रयोग करेगा। ग्राम न्यायालय की सीट मध्यवर्ती पंचायत के मुख्यालय पर स्थित होगी, वे गांवों में जाएंगे, वहां काम करेंगे और मामलों का निपटारा करेंगे।

- **कथन 3 सही है:** ग्राम न्यायालय प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत होगी और इसके पीठासीन अधिकारी को उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

Q86. मूल क्षेत्राधिकार का अर्थ है उच्च न्यायालय की पहली बार में विवादों को सुनने की शक्ति, अपील के माध्यम से नहीं, निम्नलिखित में से क्या उच्च न्यायालय के मूल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत शामिल है?

1. नागरिकों के मौलिक अधिकारों का प्रवर्तन।
2. संसद और राज्य विधानमंडलों के सदस्यों के चुनाव से संबंधित विवाद।
3. संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को अधीनस्थ न्यायालय से अपनी फ़ाइल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) 1, 2 और 3
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

मूल क्षेत्राधिकार का अर्थ है उच्च न्यायालय की पहली बार में विवादों को सुनने की शक्ति, अपील के माध्यम से नहीं। यह निम्नलिखित तक विस्तारित है:

कथन 1 सही है: नागरिकों के मौलिक अधिकारों का प्रवर्तन, प्रशंसा और न्यायालय की अवमानना के मामले।

कथन 2 सही है: संसद और राज्य विधानसभाओं के सदस्यों के चुनाव से संबंधित विवाद।

कथन 3 सही है: संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को अधीनस्थ न्यायालय से अपनी फ़ाइल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है।

Q87. भारत के महान्यायवादी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. महान्यायवादी को भारत के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार है।
2. निजी कानूनी अभ्यास के लिए उसका/उसकी की फीस कार्यालय संभालने के लिए प्राप्त वेतन से अलग है।
3. वह उन सभी विशेषाधिकारों और उन्मुक्तियों का लाभ प्राप्त करता है जो एक संसद सदस्य को उपलब्ध हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक

- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

- **कथन 1 सही है:** भारत के महान्यायवादी को सरकार का पहला कानून अधिकारी माना जाता है और देश के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार रखता है। इसका मतलब यह है कि वह सरकार का प्रतिनिधित्व कर सकता है और उसे उच्चतम न्यायालय सहित किसी भी न्यायालय में सरकार की ओर से उपस्थित होने और दलील देने का विशेषाधिकार है।
- **कथन 2 सही है:** भारत के महान्यायवादी को पद पर रहते हुए निजी कानूनी अभ्यास में शामिल होने की अनुमति है, और निजी अभ्यास से अर्जित कोई भी फीस महान्यायवादी के रूप में सेवा करने के लिए प्राप्त वेतन से अलग है। यह प्रावधान महान्यायवादी को निजी कानूनी अभ्यास जारी रखने की अनुमति देने के लिए है।
- **कथन 3 सही है:** वह उन सभी विशेषाधिकारों और उन्मुक्तियों का लाभ प्राप्त करता है जो एक संसद सदस्य को उपलब्ध हैं।

Q88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. शून्यकाल एक औपचारिक उपकरण है जो बिना किसी पूर्व सूचना के मामले उठाने के लिए उपलब्ध है।
2. अल्प सूचना प्रश्नों का उत्तर लिखित रूप में दिया जाता है।

उपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (d)

- **कथन 1 गलत है:** प्रश्न काल के विपरीत, प्रक्रिया के नियमों में शून्यकाल का उल्लेख नहीं है। इस प्रकार, यह संसद के सदस्यों के लिए बिना किसी पूर्व सूचना के मामले उठाने के लिए उपलब्ध एक अनौपचारिक उपकरण है।
- **कथन 2 गलत है:** अल्प सूचना प्रश्न वे होते हैं, जिन्हें दस दिन से कम का नोटिस देकर पूछा जाता है। इनका उत्तर मौखिक रूप से दिया जाता है।

Q89. “भारत के उपराष्ट्रपति के कार्यकाल” के संदर्भ में कथनों पर विचार कीजिए:

1. कार्यकाल उस तारीख से पांच वर्ष है जब वह अपने कार्यालय में प्रवेश करता है।
2. वह असीमित संख्या के लिए पुनः चुनाव के लिए पात्र है।
3. वह किसी भी समय राज्यसभा के सभापति को त्याग पत्र संबोधित करके अपने पद से इस्तीफा दे सकता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

- **कथन 1 सही है:** उपराष्ट्रपति अपने कार्यालय में प्रवेश करने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करता है।
- **कथन 2 सही है:** उपराष्ट्रपति अपने पांच साल के कार्यकाल से अधिक तब तक पद पर बने रह सकते हैं जब तक कि उनका उत्तराधिकारी कार्यभार ग्रहण न कर ले। वह उस कार्यालय के लिए पुनः चुनाव के लिए भी पात्र है। वह कितनी भी बार निर्वाचित हो सकता है।
- **कथन 3 गलत है:** उपराष्ट्रपति किसी भी समय राष्ट्रपति को त्याग पत्र संबोधित करके अपने कार्यालय से इस्तीफा दे सकता है। उसे कार्यकाल पूरा होने से पहले पद से हटाया भी जा सकता है।

Q90. निम्नलिखित में से कौन सी रिट किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा जारी की जा सकती है, जरूरी नहीं कि पीड़ित व्यक्ति द्वारा?

- (a) बंदी प्रत्यक्षीकरण
- (b) अधिकार पृच्छा
- (c) प्रतिषेध
- (d) उत्प्रेषण

उत्तर: (b)

- अधिकार पृच्छा शाब्दिक अर्थ में, इसका अर्थ है “किस अधिकार या वारंट से”। यह किसी सार्वजनिक पद पर किसी व्यक्ति के दावे की वैधता की जांच करने के लिए न्यायालय द्वारा जारी किया जाता है।
- अतः यह किसी व्यक्ति द्वारा लोक कार्यालय के अवैध अनाधिकार ग्रहण करने को रोकता है।

- यह रिट केवल किसी कानून या संविधान द्वारा बनाए गए स्थायी स्वरूप के सार्वजनिक कार्यालय के मामले में जारी की जा सकती है। इसे मंत्री कार्यालय या निजी कार्यालय के मामलों में जारी नहीं किया जा सकता है।
- अन्य चार रिट (बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेध, उत्प्रेषण) के विपरीत, इसकी मांग किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा की जा सकती है जरूरी नहीं कि पीड़ित व्यक्ति द्वारा की जाये। अतः विकल्प (b) सही है।

Q91. राज्य विधानमंडल की क्षमता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विधानसभा की क्षमता राज्य की जनसंख्या के आकार पर निर्भर करती है।
2. विधान परिषद की अधिकतम संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या की एक तिहाई निर्धारित है।
3. विधान परिषद की वास्तविक क्षमता संबंधित राज्य की विधायिका द्वारा तय की जाती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

- **कथन 1 सही है:** विधानसभा में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर लोगों द्वारा सीधे चुने गए प्रतिनिधि शामिल होते हैं। विधानसभा सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 और न्यूनतम 60 निर्धारित है। इसका मतलब है कि राज्य की जनसंख्या के आकार के आधार पर विधानसभा सदस्यों की संख्या 60 से 500 तक हो सकती है।
- **कथन 2 सही है:** परिषद के सदस्यों की अधिकतम कुल संख्या विधानसभा सदस्यों की कुल संख्या का एक तिहाई तय की गई है और न्यूनतम संख्या 40 तय की गई है। इसका मतलब यह है कि परिषद का आकार संबंधित राज्य की विधानसभा के आकार पर निर्भर करता है। ऐसा राज्य के विधायी मामलों में सीधे निर्वाचित सदन (विधानसभा) की प्रधानता सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।
- **कथन 3 गलत है:** यद्यपि संविधान ने विधान परिषद् की अधिकतम और न्यूनतम संख्या तय की हैं, लेकिन फिर भी एक परिषद की वास्तविक क्षमता संसद द्वारा तय की जाती है।

Q92. नीचे दिए गए प्रश्नों में दो कथन, अभिकथन और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

अभिकथन (A): भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त तक अपना पद धारण करता है।

कारण (R): भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

(a) दोनों और (R) सही हैं और (R), की सही व्याख्या करता है।

(b) दोनों और (R) सही हैं और (R), की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) सही है लेकिन (R) गलत है।

(d) गलत है लेकिन (R) सही है।

उत्तर: (d)

- संविधान ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की स्वतंत्रता की सुरक्षा और सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए हैं:
- उसे कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान की जाती है; उसे संविधान में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार ही राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है। इस प्रकार, वह राष्ट्रपति की इच्छा तक अपने पद पर नहीं रहता है, भले ही उसकी नियुक्ति उसके द्वारा की जाती है।
- कैग के कार्यालय के प्रशासनिक खर्च, जिसमें उस कार्यालय में सेवारत व्यक्तियों के सभी वेतन, भत्ते और पेंशन शामिल हैं, भारत की समेकित निधि पर भारित होते हैं। इस प्रकार वे संसद के मतदान के अधीन नहीं हैं।
- संविधान (अनुच्छेद 149), संसद को संघ और राज्यों और किसी अन्य प्राधिकरण या निकाय के खातों के संबंध में कैग के कर्तव्यों और शक्तियों को निर्धारित करने के लिए अधिकृत करता है।
- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर के तहत अधिपत्र द्वारा की जाएगी।
- तदनुसार, संसद ने कैग (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 को अधिनियमित किया। इस अधिनियम को 1976 में केंद्र सरकार में खातों को ऑडिट से अलग करने के लिए संशोधित किया गया था। अतः विकल्प (d) सही है।

Q93. संसद के उच्च सदन में उपराष्ट्रपति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. वह राज्यसभा में केवल मतों की बराबर की स्थिति में ही मत डाल सकता/ती है।
2. जब उसे हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन हो तो वह राज्यसभा के सभापति के रूप में किसी बैठक की अध्यक्षता नहीं कर सकता/सकती।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

- **कथन 1 सही है:** भारत का उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है। उसके पास राज्यसभा में किसी भी प्रस्ताव पर मतदान करने की शक्ति नहीं है। वह बहस में भाग ले सकती/ता है लेकिन मत बराबर होने की स्थिति के अलावा किसी अन्य स्थिति में राज्यसभा में मत नहीं दे सकती/ता।
- **कथन 2 सही है:** जब उपराष्ट्रपति को हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन हो तो वह राज्यसभा के सभापति के रूप में किसी बैठक की अध्यक्षता नहीं कर सकते। हालाँकि, वह ऐसे समय में भी सदन में उपस्थित होकर बोल सकता है और बिना वोटिंग के भी सदन की कार्यवाही में भाग ले सकता है।

Q94. लोक अदालत के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. लोक अदालत में कोई शुल्क नहीं लगेगा है और यदि अदालत शुल्क का भुगतान पहले ही किया जा चुका है तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाएगी।
2. लोक अदालत द्वारा दावे का आकलन करते समय सिविल प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम जैसे प्रक्रियात्मक कानूनों का उपयोग नहीं होता है।
3. विवाद के पक्ष अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायाधीश से सीधे बातचीत कर सकते हैं जो कानून की नियमित अदालतों में संभव नहीं है।
4. लोक अदालत द्वारा दिया गया निर्णय पक्षकारों पर बाध्यकारी होता है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

- उच्चतम न्यायालय के अनुसार, लोक अदालत के निम्न लाभ इस हैं:
- कोई अदालती शुल्क नहीं है और यदि अदालती शुल्क का भुगतान पहले ही कर दिया गया है तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाएगी।

- लोक अदालत की मूल विशेषताएं प्रक्रियात्मक लचीलापन और विवादों की त्वरित सुनवाई हैं। लोक अदालत द्वारा दावे का आकलन करते समय सिविल प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम जैसे प्रक्रियात्मक कानूनों का अनुप्रयोग नहीं होता है।
- विवाद के पक्षकार अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायाधीश से सीधे बातचीत कर सकते हैं जो कानून की नियमित न्यायालयों में संभव नहीं है।
- लोक अदालत द्वारा दिया गया निर्णय पक्षकारों के लिए बाध्यकारी होता है और इसे सिविल कोर्ट के डिक्री का दर्जा प्राप्त होता है तथा यह गैर-अपील योग्य होता है, जिससे अंततः विवादों के निपटारे में देरी नहीं होती है। अतः विकल्प (d) सही है।

Q95. किसी राज्य के उच्च न्यायालय में दायर 'अधिकार पृच्छा' की रिट याचिका के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. यह किसी सार्वजनिक पद पर किसी व्यक्ति के दावे की वैधता की जांच करने के लिए जारी किया जाता है।
2. यह उस व्यक्ति द्वारा दायर नहीं किया जा सकता जो पीड़ित नहीं है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

- अधिकार पृच्छा एक न्यायिक आदेश है जो किसी व्यक्ति से, जो कि सार्वजनिक पद पर है, यह बताने के लिए आदेश है कि वह किस अधिकार से इस पद पर है। यदि यह पाया जाता है कि पद धारक के पास कोई वैध स्वामित्व नहीं है, तो उसे कार्यालय से हटाने के लिए यह रिट जारी की जाती है।
- रिट उस व्यक्ति को सार्वजनिक पद से बेदखल करने के लिए जारी की जाती है जिस पर उसका कोई अधिकार नहीं है। इसका उपयोग किसी सार्वजनिक पद पर नागरिक अधिकार का प्रयास करने के लिए किया जाता है।
- **कथन 1 सही है:** तदनुसार, रिट का उपयोग किसी सार्वजनिक कार्यालय को अवैध अनाधिकार और ऐसे अवैध अनाधिकार करने वाले को पद से हटाने के मामलों में किया जाता है। इसके विपरीत, यह नागरिक को उस सार्वजनिक पद से वंचित होने से बचाता है जिस पर उसका अधिकार हो सकता है।
- **कथन 2 ग़लत है :** अधिकार पृच्छा की रिट के लिए याचिका किसी भी व्यक्ति द्वारा दायर की जा सकती है, भले ही वह एक पीड़ित व्यक्ति न हो ('लोकस - स्टैंडी' का पारंपरिक नियम: इस नियम के अनुसार, केवल वह व्यक्ति जिसके अधिकारों का अकेले उल्लंघन किया गया है उपचार के लिए न्यायालय का रुख करें)।

Q96. “भारत के उपराष्ट्रपति को हटाने” के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उपराष्ट्रपति को हटाने का प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में शुरू किया जा सकता है।
2. महाभियोग के आरोपों को आरंभिक सदन में विशेष बहुमत द्वारा समर्थित होना चाहिए।
3. संविधान, भारत के राष्ट्रपति की तरह भारत के उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए विशिष्ट आधार प्रदान करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

कथन 1 गलत है: उपराष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया केवल राज्यसभा में शुरू की जा सकती है।

कथन 2 गलत है: महाभियोग के आरोपों को आरंभिक सदन में प्रभावी बहुमत द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए, न कि विशेष बहुमत द्वारा।

कथन 3 गलत है: भारत के राष्ट्रपति के विपरीत, जिन पर ‘संविधान के उल्लंघन’ के आधार पर महाभियोग चलाया जा सकता है, भारत के उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए संविधान में कोई आधार नहीं बताया गया है।

Q97. निम्नलिखित में से कौन सी समिति केवल लोकसभा में गठित की जाती है?

- (a) आश्वासन समिति
- (b) प्राक्कलन समिति
- (c) सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति
- (d) प्रत्यायोजित विधान समिति

उत्तर: (b)

- प्राक्कलन समिति लोकसभा की एक समिति है।
- समिति में लोकसभा के 30 से अधिक सदस्य शामिल नहीं होंगे, जिन्हें हर साल सदन द्वारा अपने बीच से चुना जाएगा। इसके सदस्यों का चुनाव एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से प्रचारात्मक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत के अनुसार होता है।
- लोकसभा अध्यक्ष को अपने सदस्यों में से समिति के अध्यक्ष को नियुक्त करने का अधिकार है। अतः विकल्प (b) सही है।

Q98. “भारत के महान्यायवादी” के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह संसद की कार्यवाही में भाग ले सकती है, लेकिन किसी मामले पर मतदान नहीं कर सकता।
2. वह राष्ट्रपति की इच्छा के अधीन, वह पद के लिए पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र है।
3. उसके पास कुछ मामलों में क्षमादान देने का अधिकार है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) तीनों
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

कथन 1 सही है: संविधान के अनुच्छेद 88 के अनुसार महान्यायवादी संसद की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं, लेकिन उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं है।

कथन 2 सही है: महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और वह राष्ट्रपति की इच्छा तक पद पर रहता है। उसे पद के लिए पुनः नियुक्त किया जा सकता है।

कथन 3 गलत है: संविधान महान्यायवादी को क्षमादान देने का अधिकार नहीं देता है। क्षमादान की शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित हैं।

Q99. हाल ही में, e-SCR पोर्टल खबरों में था, निम्नलिखित में से कौन इस पोर्टल के उद्देश्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

- (a) देश के किसी भी कोने से डिजिटल रूप से पीआईएल दाखिल करने की एक पहल।
- (b) सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों को कम करने की एक पहल।
- (c) शीर्ष अदालत के निर्णयों का डिजिटल संस्करण प्रदान करने की एक पहल।
- (d) कानून की पुस्तकों का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने की दिल्ली विश्वविद्यालय की एक पहल।

उत्तर: (c)

- e-SCR पोर्टल शीर्ष न्यायालय के फैसलों का डिजिटल संस्करण उसी तरह उपलब्ध कराने की एक पहल है, जिस तरह से वे आधिकारिक कानून रिपोर्ट में बताए गए हैं।
- सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की मदद से एक सर्च इंजन विकसित किया है। अतः विकल्प (c) सही है।

Q100. केंद्रीय सतर्कता आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसकी स्थापना संथानम समिति की अनुशंसा पर की गई थी।
2. यह एक गैर-वैधानिक निकाय है।
3. केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

- **कथन 1 सही है:** केंद्रीय सतर्कता आयोग केंद्र सरकार में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए मुख्य एजेंसी है। इसकी स्थापना 1964 में केंद्र सरकार के एक कार्यकारी प्रस्ताव द्वारा की गई थी। इसकी स्थापना की सिफारिश भ्रष्टाचार निवारण पर गठित संथानम समिति ने की थी।
- **कथन 2 गलत है:** मूल रूप से सीवीसी न तो एक संवैधानिक निकाय था और न ही एक वैधानिक निकाय। बाद में, 2003 में, संसद ने सीवीसी को वैधानिक दर्जा प्रदान किया।
- **कथन 3 सही है:** केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और सतर्कता आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर के तहत वारंट द्वारा की जाती है।